सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com

swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 19 दिसंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 337, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

» Pg12

कफ सीरप कांड अभियुक्तों के संबंध सपा के माफियाओं से: सीएम योगी

इनसाइड डीएम के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले सात कार्मिक... » Pg02

बांग्लादेश में हिंसा बेकाबू, तोड़फोड़...आगजनी

खौफनाक मंजर..! हिंदू युवक की मॉब लिंचिंग, फिर जलाया

डेली स्टार, प्रोथोम अलो अखबारों और छायानट के ऑफिस में उपद्रवियों ने लगाई आग, दुर्लभ किताबें जलकर हुईं खाक

नफरत की आग में बांग्लादेश अब खुद जल रहा है। बांग्लादेश में शेख हसीना के विरोधी नेता उस्मान हादी की कल रात मौत हो गई। इसके बाद कई जगह हिंसा फैल गई है। शेख हसीना के पिता पहले राष्ट्रपति शेख मुजीबुर्रहमान के आवास पर तोड़फोड़ की। **पुलिस ने हादी के हत्यारों पर 37 लाख का इनाम रखा है।**

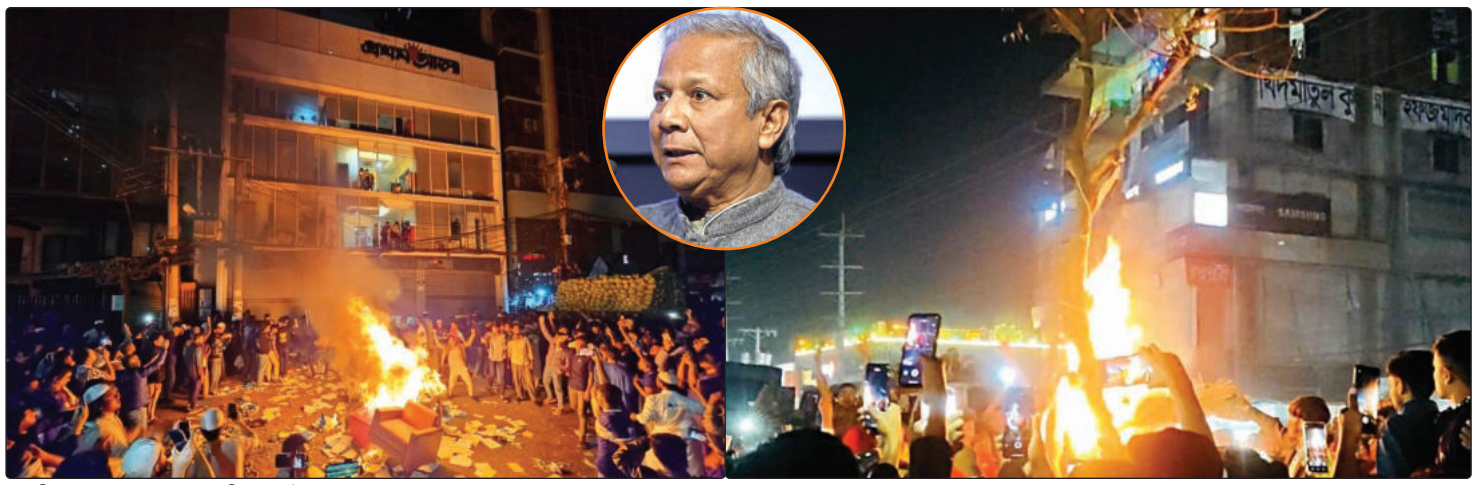

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

ढाका। बांग्लादेश एक बार फिर हिंसा की आग में जल उठा है। शेख हसीना और भारत विरोधी नेता उस्मान हादी की मौत के बाद पूरे बांग्लादेश में आक्रोश है। प्रदर्शनकारियों ने डेली स्टार और प्रोथोम अलो अखबारों के ऑफिस में घुसकर आग लगा दी और जमकर तोड़फोड़ की। इसके अलावा ईशनिंदा के आरोप में एक हिंदू को पीट-पीटकर मार डाला गया और फिर शव को पेड़ से लटकाकर आग लगा दी गई। बांग्लादेश में सबसे पुरानी सांस्कृतिक संस्था छायानट पर भी उपद्रवियों ने हमाल कर दिया। धनमंडी स्थित छायानट के कार्यालय में पहले तोड़फोड़ की गई और फिर आग लगा दी गई। यहां मौजूद संगीत के वाद्य भी धूं-धूं कर जल गए। संस्था के मुताबिक बहुत सारी दुर्लभ किताबों, वाद्य यंत्रों और सांस्कृतिक सामग्रियों को आग लगा दी गई। छायानट के महासचिव लैसा अहमद ने इस हमले की निंदी की है और जांच की मांग की है।

अहमद ने कहा, हम इस हमले की निंदा करते हैं। बहुत ही कम समय में इतना ज्यादा नुकसान कर दिया गया है कि इसकी भरपाई कभी नहीं हो सकती। बता दें कि छायानट की स्थापना रवींद्रनाथ टैगोर की जन्म शताब्दी के मौके पर 1961 में की गई थी। इस संस्था का उद्देश्य बंगाली साहित्य और संस्कृति को प्रसारित करना था। इसके अलावा गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की शिक्षाओं और साहित्य को लेकर भी यहां काम होता था। वंचितों और पिछड़ों के लिए भी यह एक ओपन संस्था है।

बांग्लादेश मुक्ति संग्राम के समय छायानट की तरफ से स्वतंत्रता सेनानियों और शरणार्थियों के लिए कार्यक्रम आयोजित करवाए जाते थे। इससे उनमें उत्साह का संचार होता था। इसके अलावा यह बंगाली संस्कृति, संगीत और साहित्य के दिशा में लगातार काम करने वाली संस्था है। इंकलाब मंच के नेता उस्मान हादी की मौत के बाद भड़की हिंसा में बांग्लादेश को बड़ा नुकासन पहुंचा है। उपद्रवियों ने शेख मुजीबुर्रहमान की प्रतिमा तोड़ डाली। इसके अलावा टीवी चैनल के कार्यालयों को भी निशाना बनाया गया। बीती रात एक फेसबुक पोस्ट में छायानट की तरफ से कहा गया था कि इस तरह से आगजनी और उपद्रव करके यही दर्शाया जा रहा है कि बांग्लादेश की स्वतंत्रता चली गई है और यहां की सरकार बेकार है। हमारी संप्रभुता और स्वतंत्रता को तार-तार किया जा रहा है। हादी देश में 12 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में उम्मीदवार थे और पिछले सप्ताह ढाका के विजयनगर इलाके में चुनाव प्रचार शुरू करते समय नकाबपोश बंदूकधारियों ने उनके सिर में गोली मार दी थी। गोली मारे जाने के बाद हादी की हालत को ढाका के चिकित्सकों ने ''बेहद नाजुक'' बताया था जिसके बाद मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार ने सोमवार को उन्हें बेहतर उपचार के लिए एयर एंबुलेंस से सिंगापुर भेजा था जहां कोमा में रहने के बाद उनकी मौत हो गई।

» मॉब लिंचिंग से भारत तक आक्रोश, त्रिपुरा में दिखा गुस्सा।

अब यूनुस सरकार ने तोड़ी चुप्पी

बांग्लादेश में एक हिंदू युवक को ईशनिंदा का आरोप लगाकार पहले पीट-पीटकर हत्या कर दी गई और फिर पेड़ से बांधकर आग लगा दिया गया। इस घटना की मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार ने निंदा की है। बांग्लादेश सरकार ने कहा कि नए बांग्लादेश में ऐसी हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। बांग्लादेश ने कहा है कि इस अपराध में शामिल किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा।

टिपरा मोथा पार्टी की यूथ विंग ने विरोध प्रदर्शन

बांग्लादेश में प्रदर्शनकारियों द्वारा भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों को अपना हिस्सा बताने के खिलाफ भारत में भी आक्रोश देखा जा रहा है। भारत के उत्तर पूर्वी राज्य त्रिपुरा में बांग्लादेश में जारी अराजकता के खिलाफ विरोध प्रदर्शन हुआ। त्रिपुरा की राजधानी अगरतला में बांग्लादेश उप-उच्चायुक्त कार्यालय के बाहर टिपरा मोथा पार्टी की यूथ विंग ने विरोध प्रदर्शन किया। टिपरा मोथा पार्टी ने बांग्लादेश के नेताओं द्वारा भारत विरोधी बयानबाजी पर नाराजगी जाहिर की। प्रदर्शनकारियों ने बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया।

डीएम के निरीक्षण में अनुपस्थित मिले सात कार्मिक

» एक दिन का वेतन काटने का निर्देश, साथ ही अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा

गोविंद नगर स्थित नलकूप खंड प्रथम कार्यालय मिला बेहाल

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने 1:30 बजे गोविंद नगर स्थित नलकूप खंड प्रथम कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्यालय में सात कार्मिक अनुपस्थित पाए गए। इस पर जिलाधिकारी ने सभी अनुपस्थित कार्मिकों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश देते हुए उनसे स्पष्टीकरण तलब किया।

अनुपस्थित पाए गए कार्मिकों में भुवनेंद्र कुमार, मोहम्मद मोइन, सुनीता शुक्ला, प्रियंका देवी, योगेंद्र कुमार, रेशम देवी तथा विकास साहू शामिल हैं।

निरीक्षण के दौरान भुवनेंद्र कुमार की ड्यूटी बीएलओ के रूप में दर्शाई गई थी, किंतु जिलाधिकारी द्वारा मोबाइल पर संपर्क किए जाने पर यह तथ्य सामने आया कि वे अपराह्न 1:30 बजे तक घर पर ही थे और उस समय तक बीएलओ संबंधी कोई कार्य नहीं किया गया था।

जिलाधिकारी ने कार्यालय का मूवमेंट रजिस्टर मांगा, जो मौके पर उपलब्ध नहीं कराया जा सका। इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की और निर्देश दिए कि मूवमेंट रजिस्टर में विधिवत अंकन किए बिना कोई भी कर्मचारी कार्यालय न छोड़े।

उन्होंने कार्यालय परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने के भी स्पष्ट निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कार्यालय में व्याप्त अव्यवस्था को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी ने नलकूप खंड-एक के अधिशासी अभियंता से स्पष्टीकरण तलब किया।

इंसानियत शर्मशार
छत पर फेंका नवजात

» ठंड में तड़पती जान बचाने को आगे आई इंसानियत

» महिलाओं ने निभाया मानवता का फर्ज, दूध गर्माहट देकर बचाई मासूम की जिंदगी

» सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची, देखभाल के लिए जिम्मेदारी सौंपी, मामले की जांच शुरू

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर।बर्रा थाना क्षेत्र के जरौली फेज वन स्थित मान्यवर कांशीराम कॉलोनी में गुरुवार रात उस समय हड़कंप मच गया, जब एक मकान की छत से नवजात बच्चे के रोने की आवाज सुनाई दी। आसपास के लोग आवाज की दिशा में पहुंचे तो एक छत पर झोले के अंदर कपड़े में लिपटा मासूम पड़ा मिला। तुरंत इसकी सूचना डायल-112 पर पुलिस को दी गई। इस बीच इंटरनेट मीडिया पर यह चर्चा भी तेज हो गई कि नवजात को उसकी मां ने यहां फेंक दिया था।ठंड में कांपते बच्चे को देखकर कॉलोनी की महिलाओं ने मानवता और संवेदनशीलता का परिचय दिया। महिलाओं अमिता सिंह, निशा किरण सहित अन्य ने नवजात को गुनगुना दूध पिलाया और आग के पास सेंककर गर्माहट दी, जिससे उसकी हालत स्थिर हो सकी।सूचना पर पहुंची पुलिस ने बच्चे को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने बताया कि सही समय पर लाने से उसकी जान बच गई। बर्रा थाना प्रभारी रवींद्र श्रीवास्तव ने बताया कि बच्चा बबलू भदौरिया के मकान की छत पर मिला था। फिलहाल नवजात को देखभाल हेतु उन्हीं के पास सौंपा गया है।पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि नवजात को वहां किसने और किन परिस्थितियों में छोड़ा। पूरी जानकारी जुटने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

औषधि विभाग ने तीन फर्मों के ड्रग लाइसेंस किए निरस्त

बिरहाना रोड में कई गलियां अवैध दवा बिक्री कारोबार में शामिल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । शहर में संचालित बिरहाना रोड स्थित मां लक्ष्मी फार्मा, मेसर्स अग्रवाल ब्रदर्स और कल्याणपुर के मेसर्स एएस फार्मास्यूटिकल फार्म के लाइसेंस गुरुवार को औषधि विभाग ने निरस्त कर दिए।

तीनों फार्मा पर मानक पूरे न करने, अवैध व नशीली दवाओं की खरीद व ब्रिकी का आरोप है। तीनों फार्मा पर विभाग ने एफआरआई भी दर्ज कराई है।

औषधि निरीक्षक ओमपाल के मुताबिक बिरहाना रोड के नील वाली गली स्थित श्री लक्ष्मी फार्मा पर पंजाब की पुलिस ने अक्टूबर माह में नशीली दवाएं बेचने की शिकायत पर कानपुर नगर व देहात के औषधि विभाग के निरीक्षकों के साथ छापेमारी की थी, तब यहां पर पांच लाख रुपये की नकली दवाएं, नकली दवाओं के रैपर, उनके बॉक्स मिले थे, दवाओं के रैपर पर बैच नंबर, एक्सपायरी तिथि व एमआरपी डालने के लिए एक मिनी पोर्टेबल प्रिंटर बरामद हुआ था। इसके अलावा खाली बॉक्स, लेबल भी मिले और 25 लाख रुपये की नकद बरामद हुए थे, जिसकी जानकारी मांगने पर मौके पर मौजूद व्यक्ति जानकारी नहीं दे सके थे।

नवबंर माह में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन आयुक्त डॉ.रोशन जैकब ने खुद औचक निरीक्षण कर बिरहाना रोड स्थित अग्रवाल ब्रदर्स फर्म उसके दो गोदामों, मेडिसिना व मसाइको फर्म पर छापा मारा था। जांच के दौरान अग्रवाल ब्रदर्स के संचालक विनोद अग्रवाल और उनके बेटे शिवम अग्रवाल दवाओं की खरीद-बिक्री संबंधी कोई दस्तावेज नहीं दिखा पाए। फर्म में लगे कंप्यूटरों को भी हटा दिया गया था।

वहीं, दोनों फर्मों के कोपरगंज स्थित गोदामों पर छापा मारा था। यहां बड़ी मात्रा में कोडीनयुक्त कफ सिरप व ट्रॉमाडॉल टैबलेट बरामद हुई थी।

इनकी खरीद-बिक्री का भी कोई दस्तावेज उपलब्ध नहीं था। एक्सपायर्ड दवाएं भी मिली थी। वहीं, कल्यानपुर के मेसर्स एएस फार्मास्यूटिकल में छापेमारी के दौरान कोडीन युक्त सिरप, नशीली, नकली व एक्सपायर्ड दवाएं मिली थी, जिनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। जांच के बाद तीनों फार्मों के लाइसेंस निरस्त कर दिए गए।

केडीए बोर्ड बैठक: शहर के विकास के लिए अहम प्रस्ताव पास

» शताब्दीनगर में फ्लैट बिक्री के लिए केडीए ने दी ढील, ढाई लाख में फ्लैट पाइए

» 51 वर्ष बाद केडीए ने शहर को 6 हिस्सों में बांटा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर ।कानपुर विकास प्राधिकरण (केडीए) ने अपनी बहुमंजिला आवासीय परियोजनाओं में खाली पड़े फ्लैटों की बिक्री को गति देने के लिए एक नई मास्टर स्कीम शुरू की है। इस योजना के तहत अब लोग केवल ढाई से चार लाख रुपये जमा कर फ्लैट का तुरंत कब्जा पा सकेंगे, जबकि शेष राशि आसान किस्तों में बाद में चुकाई जा सकेगी। इससे किराये का बोझ भी बचेगा और लोगों को बेहतर आवास मिल सकेगा। इस योजना को केडीए बोर्ड की 144वीं बैठक में मंजूरी दी गई।

गुरुवार को मंडलायुक्त के. विजयेंद्र पांडियन की अध्यक्षता में हुई केडीए बोर्ड की बैठक में यह तय किया गया कि ईडब्ल्यूएस श्रेणी के आवेदकों को फ्लैट की कुल कीमत का केवल 20 प्रतिशत जमा कर कब्जा दिया जाएगा। वहीं एलआईजी और सामान्य श्रेणी के लिए कुल कीमत का 25 प्रतिशत भुगतान करने पर कब्जा मिलेगा। उदाहरण के तौर पर, हिमगिरी योजना के जिन फ्लैटों की कीमत वर्तमान में 14.24 लाख रुपये है, उनमें ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लाभार्थियों को केवल करीब 2.85 लाख रुपये जमा कर कब्जा मिल सकेगा।

शेष राशि वे 10 वर्षों की अवधि में आसान किस्तों में अदा कर सकेंगे। बॉटनिकल गार्डन आमजन के लिए नि:शुल्क खुलेगा। बैठक में एक और अहम निर्णय लेते हुए केडीए उपाध्यक्ष ने बताया कि जनवरी माह से गंगा बैराज के पास स्थित बॉटनिकल गार्डन आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। यहां लोग नि:शुल्क सैर कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2017 से बॉटनिकल गार्डन में निर्माण कार्य अघोषित रूप से बंद पड़ा है और लगभग 26 करोड़ रुपये की लागत से बना यह परिसर खंडहर की स्थिति में है। अब इसके खुलने से शहरवासियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

वहीं, जनवरी माह में गंगा बैराज के पास स्थित बॉटनिकल गार्डन आम लोगों के लिए खोल दिया जाएगा। यह परिसर वन आच्छादित हो गया है। मकसूदाबाद में 3 सौ एकड़ का सबसे बड़ा पार्क बनाया जाएगा।

कानपुर विकास प्राधिकरण के जोन में हुआ बदलाव

कानपुर शहर के विस्तार और बढ़ती आबादी को लेकर केडीए ने 61 साल बाद अपने जोनों की सीमा में बदलाव किया है। अभी तक केडीए में चार जोन थे, जिन्हें अब नगर निगम की तर्ज पर छह कर दिया गया है। जोन एक और दो को दो-दो भागों में बांटा है, जबकि जोन तीन और चार को उसी तरह रखा गया है। सभी जोन में अफसरों को तैनात कर दिया गया है ताकि जनता की समस्याओं को तुरंत निस्तारण किया जा सके।

सीमा तय करने के साथ ही उसमें कौन सी योजनाओं आ रही है वह भी तय की गई हैं। केडीए की सीमा का नक्शा भी तय कर दिया गया है। वर्तमान समय में केडीए की सीमा में 41 लाख आबादी रहती है। केडीए उपाध्यक्ष मदन सिंह गर्ब्याल के अनुसार छोटे-छोटे जोन बनाए गए हैं ताकि जनता की समस्याओं का प्रभावी पयर्वेक्षण और जन समस्याओं का तुरंत निस्तारण किया जा सके। बता दें शहर के विकास और विस्तार के लिए केडीए का गठन वर्ष 1974 में हुआ था।

कमिश्नर की अध्यक्षता में हुई केडीए बोर्ड बैठक

बांटे गए हैं जोन कुछ इस प्रकार हैं...

जोन एक-ए-: सीमा - प्रयागराज रोड (केडीए सीमा) से उत्तर दिशा की और का क्षेत्र जीटी रोड पर स्थित रावतपुर चौराहा से कंपनी बाग चौराहा, डाल्फिन चौराहा, वीएसएसडी कालेज रोड से गंगा बैराज तथा गंगा नदी के दक्षिण केडीए की सीमा तक का क्षेत्र

प्रमुख योजनाएं - चकेरी, आशियाना, कृष्णा नगर, जाजमऊ, पोखरपुर, नाचघर, बिरहाना रोड, दलेलपुरवा, रायपुरवा, सीसामऊ, गुटैया, ग्वालटोली, खलासी लाइन।

जोन एक बी-:सीमा- जीटी रोड स्थित रावतपुर चौराहा से कन्नौज रोड (विकास प्राधिकरण सीमा) से विकास क्षेत्र की बाउंड्री सम्मिलित करते हुए जनपद उन्नाव का सभी क्षेत्र जोन एक ए की सीमा तक ।

प्रमुख योजनाएं - ओल्ड कानपुर, दीनदयाल नगर, सिग्नेचर सिटी, अन्नपूर्णा इन्क्लेव, ख्यौरा बांगर, लखनपुर, हरिकृष्ण नगर, चैतन्य विहार, इंदिरा नगर, दयानंद विहार, मुखर्जी विहार, कल्याणपुर सी ब्लाक, केडीए ग्रीन्स।

जोन दो -: सी -सीमा- जीटी रोड पर कल्याणपुर-पनकी रोड- इटावा रोड से कानपुर देहात का सम्पूर्ण क्षेत्र सम्मिलित करते हुए उत्तर में कानपुर विकास प्राधिकरण की सीमा तक

प्रमुख योजनाएं- गौतम विहार, जवाहरपुरम, रतनपुर, प्रगति इन्क्लेव, शताब्दी नगर , मंदाकिनी इन्क्लेव, रामगंगा इन्क्लेव, महावीर नगर विस्तार।

जोन दो सी-: सीमा- जीटी रोड पर कल्याणपुर पनकी रोड से कानपुर देहात की सीमा लेते हुए दक्षिण की और कानपुर सेंट्रल से झांसी रेलवे लाइन के उत्तरी हिस्से अफीम कोठी चौराहे तक।

प्रमुख योजनाएं- कालपी नगर, इस्पात नगर, व्यापार नगर, पनकी, काकादेव, विजय नगर, शास्त्री नगर, नरायनपुरवा, एफडब्ल्यू एरिया दादानगर, दबौली।

बिल्हौर में किसान की जमीन पर फर्जी सौदे का जाल, चार पर एफआईआर

» डुप्लीकेट दस्तावेज बनाकर किसान की पहचान छीनी, विक्रेता-क्रेता-गवाह की साजिश उजागर

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर तहसील क्षेत्र में किसान की पहचान का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की जमीन के फर्जी सौदे का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने प्रकरण में चार लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के मुताबिक नानामऊ गांव निवासी किसान निशांत कुमार की लगभग 11 बीघा बहुमूल्य कृषि भूमि को निशाना बनाते हुए आरोपितों ने सुनियोजित साजिश रची। पीड़ित के अनुसार अविरल सिंह ने पहले डुप्लीकेट दस्तावेज तैयार कर किसान की पहचान अपनाई और खुद को विक्रेता दर्शाते हुए अभिनव मिश्रा के नाम विक्रय अनुबंध कर दिया।

इस फर्जी सौदे में रवि कुमार निवासी नानामऊ थाना बिल्हौर और रौनक शुक्ला थाना शिवराजपुर गवाह बने।

पीड़ित किसान को जब उपनिबंधक कार्यालय से इस विक्रय अनुबंध की जानकारी हुई तो वह मानसिक रूप से बेहद आहत हो गया। मामले के उजागर होने के बाद आरोपितों ने आपसी सांठगांठ के बल पर आनन-फानन में अनुबंध का विखंडन भी करवा दिया। किसान ने आरोप लगाया है कि इस पूरे फ्रॉड का मास्टरमाइंड अभिनव है, जिसकी भूमिका की गहन जांच की मांग की गई है। शिकायत पर पुलिस कमिश्नर के निर्देश में बिल्हौर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दस्तावेजों की जांच की जा रही है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

फर्जी कागज तैयार करने वाले भी रडार पर

सूत्रों के अनुसार पुलिस की जांच अब सिर्फ विक्रेता-क्रेता और गवाहों तक सीमित नहीं है। मामले में फर्जी आधार कार्ड में छेड़छाड़ कर नकली पहचान तैयार करने वाले व्यक्ति एवं कैफे की भी पहचान की जा रही है। पुलिस को शक है कि यह फर्जीवाड़ा संगठित तरीके से किया गया,जिसमें दस्तावेज तैयार करने वालों की अहम भूमिका रही है। इंस्पेक्टर अशोक कुमार सरोज ने बताया कि पुलिस की टीम आरोपित की तलाश में जुट गई है।

हर जोर-जुल्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है...!

रजिस्ट्री कार्यालय शिफ्टिंग के विरोध में अधिवक्ताओं का आंदोलन सातवें दिन भी जारी

» तहसील परिसर में गूंजे संघर्ष के नारे, प्रशासन के खिलाफ भारी आक्रोश।

» उप निबंधक कार्यालय पूरी तरह बंद, आम आदमी हुआ परेशान।

» बार काउंसिल सदस्य अनुराग पांडे धरना स्थल पर पहुंचे, हर स्तर पर समर्थन का ऐलान।

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बिल्हौर तहसील से उप निबंधक कार्यालय को हटाकर करीब दो किलोमीटर दूर अपराध बहुल क्षेत्र कह जाने वाले इलाके में स्थानांतरित किए जाने के विरोध में अधिवक्ताओं के आक्रोश की चिंगारी अब शोला बन चुकी है। गुरुवार को लगातार सातवें दिन भी रजिस्ट्री कार्यालय के बाहर अधिवक्ताओं का धरना-प्रदर्शन जारी रहा। जिसके चलते उप निबंधक कार्यालय पूरी तरह बंद रहा और आम जनमानस को भारी असुविधा का सामना करना पड़ा। धरना स्थल पर पहुंचे उत्तर प्रदेश बार काउंसिल के सदस्य अनुराग पांडे ने अधिवक्ताओं के आंदोलन को हर स्तर पर समर्थन देने का ऐलान किया।

उन्होंने बताया कि इस संबंध में जिलाधिकारी से उनकी लंबी वार्ता हुई है, जिसमें आश्वासन दिया गया है कि किसी के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। आंदोलन के समर्थन में राम प्रकाश गुप्ता, आलोक यादव और मुकुटध्वज सिंह भी बिल्हौर पहुँचे और अधिवक्ताओं के साथ एकजुटता दिखाई। इसके पश्चात धरना स्थल से जुलूस निकाला गया। अधिवक्ता सड़कों पर उतरे और तहसील परिसर में अधिकारियों के कार्यालयों के बाहर जमकर नारेबाज़ी की।हमसे जो टकराएगा, चूर-चूर हो जाएगा,हर ज़ोर-जुर्म की टक्कर में संघर्ष हमारा नारा है,अधिवक्ता एकता ज़िंदाबाद

जैसे गगनभेदी नारों से पूरी तहसील गूंज उठी। वहीं भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष सौरभ शर्मा तथा भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष अनंत अवस्थी पदाधिकारियों के साथ धरना स्थल पर पहुंचे और अधिवक्ताओं की मांगों को जायज ठहराते हुए प्रशासन पर दबाव बढ़ाया। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश कटियार एवं लॉयर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण कटियार ने संयुक्त रूप से कहा कि जब तक रजिस्ट्री कार्यालय को वर्तमान स्थान पर जहां पर्याप्त जगह उपलब्ध है संचालित करने का स्पष्ट निर्णय नहीं लिया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने अनदेखी जारी रखी, तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। बार एसोसिएशन के महामंत्री सौरभ कटियार और द लायर्स एसोसिएशन के राजीव कटियार ने बताया कि कानपुर जिलाधिकारी जीतेन्द्र प्रताप सिंह ने टीम गठित की है। टीम में एसडीएम बिल्हौर संजीव दीक्षित भी हैं। प्रस्तावित उप निबंधक कार्यालय की पड़ताल करने के लिए पत्र जारी किया है।

भाजपा मंडल अध्यक्ष व भाकियू ने आंदोलन को बताया जायज

उप निबंधक कार्यालय को बिल्हौर तहसील से दूर- दूसरी जगह बनाए जाना जनहित में नहीं है। इस निर्णय से आम जनता को भारी असुविधा होगी। हम बार एवं द लॉयर्स संगठन के अधिवक्ताओं के समर्थन में पूरी मजबूती से खड़े हैं और इस आंदोलन में उनके साथ सक्रिय रूप से शामिल हैं।

– सौरभ शर्मा
नगर मंडल अध्यक्ष, भाजपा, बिल्हौर

हम अधिवक्ताओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर तन-मन-धन से खड़े हैं और उनके आंदोलन का पूर्ण समर्थन करते हैं। बिल्हौर तहसील के साथ बार-बार धोखा किया गया है। यदि शासन-प्रशासन ने अपना फैसला वापस नहीं लिया तो किसान यूनियन सड़क पर उतरकर आंदोलन करने को पूरी तरह तैयार है।

– अनंत अवस्थी, कानपुर ग्रामीण जिला अध्यक्ष, भारतीय किसान यूनियन

आंदोलन की रंगत साफ दिख रही है। अधिवक्ता समाज एकजुट है और रजिस्ट्री कार्यालय को यहीं बनाए रखने के लिए संकल्पित है। यह सिर्फ स्थान का सवाल नहीं, बल्कि न्याय व्यवस्था और आम जनहित से जुड़ा विषय है। जब तक निर्णय वापस नहीं लिया जाता, हमारा संघर्ष पूरी मजबूती से जारी रहेगा।

– नवले मिश्रा
अधिवक्ता

अधिवक्ताओं के इस आंदोलन में कई लोगों का भरपूर समर्थन मिल रहा है। हमें उम्मीद ही नहीं पूरा यकीन है। हमारी जीत होगी। हमने राजस्व अभिलेखों में चेक किया है। जहां पर वर्तमान समय में उपनिबंधक कार्यालय है वह जमीन राजस्व में ही दर्ज है।

– लक्ष्मीकांत त्रिवेदी
उपाध्यक्ष, बिल्हौर बार एसोसिएशन

मुझे जैसे ही जेपी कटियार ने बिल्हौर तहसील से उप निबंधक कार्यालय दूर किए जाने पर वकीलों द्वारा धरने की जानकारी से अवगत कराया, तो मैंने तुरंत जिलाधिकारी कानपुर से संपर्क किया और समस्या के शीघ्र समाधान की व्यवस्था कराने के लिए कहा। मैं इस संबंध में दोबारा कानपुर डीएम से बात करूंगा।

– अशोक कुमार रावत
सांसद, मिश्रिख लोकसभा, भाजपा

एक समय था जब इस बिल्हौर तहसील को कन्नौज से जोड़े जाने का प्रयास किया गया था। उस दौरान सपा की सरकार थी और तब अधिवक्ताओं ने पूरे 31 दिनों तक लगातार आंदोलन किया था। उस संघर्ष के दौरान अधिवक्ताओं को कई तरह की कठिनाइयों का सामना करना पड़ा, मुझे स्वयं गिरफ्तार भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद अधिवक्ता समाज एकजुट रहा। वही जज़्बा और वही एकता इस आंदोलन में भी दिखाई दे रही है। हम स्पष्ट कर देना चाहते हैं कि रजिस्ट्री कार्यालय यहीं रहेगा, इसे कहीं और शिफ्ट नहीं होने दिया जाएगा

– चंद्रकांत शुक्ला,
वरिष्ठ अधिवक्ता, अध्यक्ष, द लॉयर्स एसोसिएशन एल्डर कमेटी

क्विज में अव्वल आए बच्चों से बोले बीईओ लगन से पढ़ोगे तो आप भी बनोगे कलाम!

कहा कि प्रगति के लिए लगातार प्रयास किया जाना होता है जरूरी, कंपोजिट स्कूल गोहलियापुर के दो बच्चों ने थामा बुलंदी का झंडा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। देश को आगे बढ़ाने के लिए वैज्ञानिक प्रगति जरूरी है। लगन से पढ़ेंगे तो आप ही कल के एपीजे कलाम होंगे। यह कहना है खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह का। श्री सिंह बिल्हौर ब्लॉक के परिषदीय उच्च प्राथमिक विद्यालयों और कंपोजिट विद्यालयों के 6, 7, 8 के विज्ञान क्विज जीते बच्चों को संबोधित कर रहे थे। बच्चों को पुरस्कृत करते हुए उन्होंने कहा कि यह वैज्ञानिक युग है। जिसमें वहीं प्रगति की दौड़ जीतेगा जो लगातार खुद की प्रतिभा निखारने के लिए कार्य करेगा। कहा कि जो बच्चे अच्छे से विज्ञान की पढ़ाई करेंगे वे आगे चलकर वैज्ञानिक बनेंगे। इससे पूर्व विज्ञान से संबंधित क्विज प्रतियोगिता हुई। इसमें गोहलियापुर कंपोजिट विद्यालय के नितांशु ने प्रथम स्थान और इसी विद्यालय के मो0 हसन द्वितीय स्थान पर रहे। वहीं दूसरे विद्यालय के अनिकेत भी दूसरे स्थान पर अपनी जगह बनाने में सफल रहे।

आयुष तृतीय रहे। राजबाबू, शिवांगी, साक्षी, शजर, अंकिता, सिमरन को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में श्रीकांत सिंह, धर्मेंद्र कटियार, शशांक द्विवेदी, आशा कटियार, भावना त्रिवेदी, नियाज अहमद, आरती सिंह, अजय कटियार, समीर, विकास बाबू, ओंकार सिंह यादव आदि ने भी बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

भावना की कोशिशों से महज पांच महीने में दो बच्चे निखरे

सहायक अध्यापिका आशा कटियार को राज्य शिक्षक पुरस्कार की मिलने के बाद सुर्खियों में आया कंपोजिट स्कूल अबकी बार फिर चर्चा में है। लेकिन अबकी बार वजह आशा नहीं हैं बल्कि भावना हैं। बताते चलें कि भावना त्रिवेदी प्राथमिक विद्यालय बिल्हौर प्रथम में सात वर्ष प्रधानाध्यापक पद पर अपनी बेहतर प्रशासनिक क्षमता का प्रदर्शन करने के बाद पांच महीने पहले ही स्वैच्छिक ट्रांसफर लेकर साइंस टीचर के पद पर गई थीं।

इस विद्यालय में बीते पांच वर्षों में विज्ञान क्विज में कोई बच्चा अपनी जगह नहीं बना पाया था। लेकिन महज पांच महीने के छोटे से कार्यकाल में इस स्कूल के दो बच्चे साइंस क्विज में अपनी जगह बनाने में कामयाब रहे। जिसका पूरा श्रेय भावना त्रिवेदी को मिला है। स्कूल स्टाफ का कहना है कि आने वाले दिनों में स्कूल के बच्चे और भी बेहतर प्रदर्शन करेंगे।

सम्पादकीय

ग्रामीण क्षेत्रों में सफलता से जगी उम्मीदें

आम तौर पर आम आदमी पार्टी को शहरी जनाधार वाली पार्टी के रूप में देखा जाता रहा है। लेकिन हालिया ग्रामीण निकाय चुनावों में उसकी जीत ने राजनीतिक विश्लेषकों को खूब चौंकाया है। पंजाब के जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के परिणामों ने राजनीतिक वर्चस्व और उभरते मतभेदों की कहानी भी बयां की है। सत्ताधारी आम आदमी पार्टी यानी आप ने ग्रामीण निकाय चुनावों में शानदार सफलता को दर्ज करते हुए राज्यभर में बड़ी संख्या में सीटें जीती हैं। जिसने इस बात की पुष्टि की है कि आम आदमी पार्टी पंजाब के शहरों में ही नहीं, ग्रामीण इलाकों में भी लोकप्रियता का आधार रखती है। वहीं दूसरे शब्दों में कहें तो ग्रामीण मतदाताओं में पंजाब की सत्ता में लंबे समय तक भागीदारी निभाने वाले राजनीतिक दलों से मोहभंग का सिलसिला लगातार बना हुआ है। हालांकि, आप की इस सफलता के साथ कुछ ऐसे पहलू भी जुड़े हैं, जिन पर पार्टी और उसके नेताओं को गहन विचार करने की जरूरत होगी। दूसरे शब्दों में कह सकते हैं कि ग्रामीण क्षेत्रों में आम आदमी पार्टी का मजबूत प्रदर्शन उसके शासन के मॉडल के लिये निरंतर समर्थन का संकेत दे रहा है। यह एक ऐसा परिणाम है जो साल 2027 के राज्य विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में आप के पक्ष में सकारात्मक परिदृश्य बना सकता है। इसके विपरीत विरोधाभास यह भी है कि कई जगह ऐसे उल्लेखनीय उदाहरण सामने आए हैं, जहां आम आदमी पार्टी अपने नेताओं के गढ़ों में लड़खड़ा गई है। आप के कई प्रमुख नेता अपने ही गांवों में जीत हासिल करने में विफल रहे हैं। ऐसा क्यों हुआ, आप को इस पर मंथन करने की जरूरत है। वहीं शिरोमणि अकाली दल ने बठिंडा और मुक्तसर जैसे कुछ इलाकों में अपनी मजबूत पकड़ दर्शायी है। जो पार्टी के लिये हौसला बढ़ाने वाले संकेत कहे जा सकते हैं।

दरअसल, शिअद के प्रदर्शन को लेकर मिश्रित प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कहा जा रहा है कि पार्टी यदि इस बढ़त को आगे भी कायम रख पाती है तो उसके संगठनात्मक पुनरुद्धार के लिये दीर्घकालिक परिणाम सामने आ सकते हैं। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस का चुनावी प्रदर्शन निराशाजनक ही कहा जाएगा। दरअसल, अब भी कांग्रेस अपनी खोई हुई जमीन को फिर से हासिल करने लिये संघर्ष करती प्रतीत हुई है। ये कांग्रेस के लिये चिंता की ही बात हो सकती है कि वह अपने पारंपरिक गढ़ों तक में अब भी कोई ठोस व दमदार चुनौती पेश करने में असफल ही रही है। वहीं दूसरी ओर कुछ क्षेत्रों में भारतीय जनता पार्टी ने अपनी पैठ बनानी आरंभ की है। वैसे एक हकीकत यह भी है कि किसी भी चुनाव के परिणाम चुनावी परिदृश्य का आंशिक दृष्टिकोण ही परिभाषित करते हैं। मतदाता जमीनी स्तर पर आम आदमी पार्टी की नीतियों से काफी हद तक संतुष्ट ही दिखे हैं।

इसके बावजूद स्थानीय निष्ठाएं और उम्मीदवार विशिष्ट कारक प्रमुखता से सामने आते हैं। इन स्थानीय ग्रामीण इकाइयों के चुनावों में आम आदमी पार्टी के नेताओं के गृह क्षेत्रों में मिली हार इस बात की भी याद दिलाती है कि किसी दल के लिये राजनीतिक पूंजी बेहद नाजुक ही होती है। यह भी कि ग्रामीण मतदाता स्थानीय नेतृत्व के प्रति उतने ही सजग और संवेदनशील होते हैं, जितना कि राज्य स्तरीय विचारों के प्रति।

नाभिकीय ऊर्जा में निजी क्षेत्र का रास्ता खुला

प्रमोद जोशी

भारत में परमाणु बिजली बनाने का काम अभी तक सरकारी कंपनी न्यूक्लियर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड करती है। अब नाभिकीय बिजली उत्पादन में निजी क्षेत्र का प्रवेश भी होगा, जिसमें विदेशी कंपनियों की भागीदारी भी हो सकती है। यह...भारत में परमाणु बिजली बनाने का काम अभी तक सरकारी कंपनी न्यूक्लियर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड करती है। अब नाभिकीय बिजली उत्पादन में निजी क्षेत्र का प्रवेश भी होगा, जिसमें विदेशी कंपनियों की भागीदारी भी हो सकती है। यह घोषणा नाभिकीय ऊर्जा के मामले में भारत-अमेरिका संवाद फिर से कायम होने की ओर इशारा कर रही है।संसद ने 'सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया विधेयक, 2025' को पारित कर दिया। इसे अंग्रेजी नामाक्षरों के आधार पर 'शांति-विधेयक' कहा गया है।

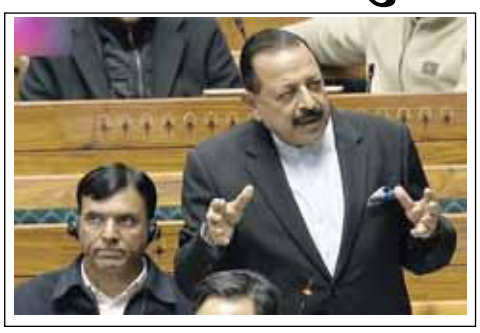

हालांकि, कई विपक्षी सांसदों ने विधेयक को संसदीय समिति के पास भेजने की मांग की थी, पर सरकार ने इसे राज्यसभा में चर्चा के लिए भेजकर जल्दी पास कराना उचित समझा। अब यह कानून बन जाएगा। दोनों सदनों की राजनीतिक बहसों पर ध्यान नहीं दें, तो यह स्पष्ट है कि यह कानून यूपीए सरकार में अमेरिका के साथ हुई 'न्यूक्लियर-डील' का एक महत्वपूर्ण अंग है, जो अब अमेरिका के साथ संभावित व्यापार समझौते के साथ भी जुड़ा है।

यह कानून अनायास ही नहीं बनाया गया है। कई कारणों से 'न्यूक्लियर डील' अपने अभीप्सित उद्देश्यों में पूरी तरह सफल नहीं हो सकी। एक बड़ा अड़ंगा, संभावित दुर्घटना की क्षतिपूर्ति को लेकर था, जिसके लिए 2010 में पास हुए नागरिक दायित्व अधिनियम से विदेशी आपूर्तिकर्ता सहमत नहीं थे। 2008 में, भाजपा ने मनमोहन सिंह सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश किया था, जिसका एक कारण यह भी था कि 'न्यूक्लियर डील' में ऐसा कोई प्रावधान नहीं था, जिससे क्षतिपूर्ति हो सके।

इस साल का बजट पेश करते हुए वित्तमंत्री ने नाभिकीय ऊर्जा को लेकर कुछ बड़ी घोषणाएं की थीं। उन्होंने स्वदेशी स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) विकसित करने के लिए 20,000 करोड़ रुपये के 'परमाणु ऊर्जा मिशन' की घोषणा की थी। 2033 तक इनमें से कम से कम पांच रिएक्टर चालू हो जाएंगे। भारत के 2047 तक 100 गीगावॉट परमाणु ऊर्जा सुनिश्चित करने के बड़े लक्ष्य के लिहाज से यह महत्वपूर्ण है।

उसके पहले पिछले साल जुलाई में नई सरकार के पहले बजट भाषण में उन्होंने कहा था कि सरकार भारत स्मॉल रिएक्टर (बीएसआर) की स्थापना, भारत स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (बीएसएमआर) के अनुसंधान और विकास, तथा परमाणु ऊर्जा के लिए नई प्रौद्योगिकियों के अनुसंधान और विकास के लिए निजी क्षेत्र के साथ साझेदारी करेगी।

भारत में परमाणु बिजली बनाने का काम अभी तक सरकारी कंपनी न्यूक्लियर पॉवर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड करती है। अब नाभिकीय बिजली उत्पादन में निजी क्षेत्र का प्रवेश भी होगा, जिसमें विदेशी कंपनियों की भागीदारी भी हो सकती है। यह घोषणा नाभिकीय ऊर्जा के मामले में भारत-अमेरिका संवाद फिर से कायम होने की ओर इशारा कर रही है। 2008 की न्यूक्लियर डील ने भारत और अमेरिका को काफी करीब कर दिया था, पर इसी डील ने दोनों के बीच खटास भी पैदा की थी।

न्यूक्लियर डील होते वक्त लगता था कि भारत नाभिकीय ऊर्जा के लिए अपने दरवाज़े खोलेगा, पर उस दिशा में प्रगति नहीं हुई, बल्कि सब कुछ धीमा पड़ गया। 2011 में जापान के फुकुशिमा एटमी बिजलीघर की दुर्घटना के बाद उससे जुड़े जोखिम को लेकर भी सवाल उठे। भारतीय संसद ने 2010 में सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट पास किया, जिसमें वे व्यवस्थाएं थीं, जो परमाणु दुर्घटना की स्थिति में मुआवजे का भार उपकरण सप्लाई करने वाली कंपनी पर डालती थीं।

उस कानून की धारा 17 से जुड़े मसले पर दोनों देशों के बीच सहमति नहीं रही है। यह असहमति केवल अमेरिका के साथ ही नहीं थी, दूसरे देशों के साथ भी थी।

दादा की संपत्ति पर पोते के हक का उठता सवाल

कानूनी विवाद

डा. सुधीर कुमार

पारिवारिक विवादों में सवाल होता है कि पिता के जीवित रहते दादा की संपत्ति पर पोते का कितना हक है? हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम के इस मामले पर अदालती फैसले स्पष्ट करते हैं कि पैतृक संपत्ति में पोते का जन्मसिद्ध अधिकार है, वह दादा या पिता के जीवित रहते बंटवारा करवा सकता है। जबकि दादा की स्व-अर्जित संपत्ति पर उसका जन्मजात दावा नहीं।भारतीय परिवारों में संपत्ति विवाद एक गंभीर समस्या है जो रिश्तों की नींव को हिला देती है। जमीन-जायदाद के कागज़ात पारिवारिक सद्भाव को नष्ट कर देते हैं। इन विवादों के केंद्र में जटिल सवाल यह होता है- 'जब पिता जीवित हैं, तो दादा की संपत्ति पर पोते का कितना अधिकार है?'

यह प्रश्न केवल एक कानूनी जटिलता नहीं, बल्कि पीढ़ी-दर-पीढ़ी चले आ रहे सामाजिक मूल्यों और हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की बारीकियों को भी दर्शाता है। भारतीय समाज में परिवार और संपत्ति का संबंध केवल आर्थिक नहीं, बल्कि गहरा भावनात्मक भी होता है। यही कारण है कि जब दादा की संपत्ति के बंटवारे की बात आती है, तो मामला केवल कानूनी धाराओं तक सीमित न रहकर रिश्तों में कड़वाहट की जड़ बन जाता है।पोते-पोतियों के मन में यह सामान्य सवाल होता है: 'क्या पिता के जीवित रहते हम दादा की संपत्ति पर सीधा दावा कर सकते हैं?' इस प्रश्न का उत्तर 'हां' या 'ना' में देना सरल नहीं। इसका जवाब पूरी तरह संपत्ति के प्रकार पर निर्भर करता है - यानी वह 'स्व-अर्जित' है या 'पैतृक'। इस अंतर को सुप्रीम कोर्ट ने अपने विभिन्न फैसलों के जरिये समय-समय पर स्पष्ट किया है, जिससे कानूनी स्थिति साफ हो। कानूनन संपत्ति मुख्यतया दो प्रकार की होती है, और यह अंतर समझना ही सारे विवाद समाप्त कर सकता है।

स्व-अर्जित संपत्ति वह है जिसे दादा ने अपनी मेहनत, वेतन, या व्यावसायिक आय से स्वयं खरीदा या अर्जित किया है। इस संपत्ति पर दादा का पूर्ण स्वामित्व होता है। उनके जीवनकाल में, उनका बेटा या पोता भी सीधे तौर पर दावा नहीं कर सकता, और दादा के

पास अधिकार है कि वे जिसके नाम चाहें, उस संपत्ति की वसीयत करे। यहां अहम कानूनी बिंदु यह कि यदि पिता (अर्थात दादा के बेटे) जीवित हैं, तो पोता दादा की स्व-अर्जित संपत्ति में सीधे हिस्सेदार नहीं बन सकता। पोता केवल तभी दावा कर सकता है जब उसके पिता की मृत्यु दादा से पहले हो चुकी हो। इस स्थिति में, पोता अपने मृत पिता का प्रतिनिधित्व करते हुए हिस्सा पाता है। यह नियम स्पष्ट है- स्व-अर्जित संपत्ति पर पोते को धैर्य रखना पड़ता है। इसके विपरीत, पैतृक संपत्ति वह होती है जो कम से कम चार पीढ़ियों से निरंतर पुरुष वंशजों के माध्यम से हस्तांतरित होती आयी है। इस संपत्ति के संबंध में पोते की कानूनी स्थिति पूरी तरह बदल जाती है। पैतृक संपत्ति में पोता जन्म लेते ही 'सह-स्वामी' बन जाता है। उसका हक दादा या पिता की मृत्यु का इंतजार नहीं करता; वह बतौर जन्मसिद्ध अधिकार कभी भी बंटवारे की मांग कर सकता है। यह उसे स्व-अर्जित संपत्ति से मौलिक रूप से अलग करता है।

कानूनी स्थिति को सबसे निर्णायक रूप से सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2018 में 'विनीत शर्मा बनाम राकेश शर्मा' नामक एक अत्यंत महत्वपूर्ण मामले में स्पष्ट किया था। यह लैंडमार्क केस पैतृक और स्व-अर्जित संपत्ति के बीच अंतर को कानूनी रूप से मजबूत करता है, जो अक्सर पारिवारिक विवादों का कारण बनता है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराधिकार के नियमों पर यह साफ किया कि यदि दादा अपनी स्व-अर्जित संपत्ति (जो उन्होंने अपनी मेहनत से कमाई थी) को वसीयत के जरिये अपने बेटे या पोते को सौंपते हैं, तो संपत्ति प्राप्त करने वाले व्यक्ति के लिए वह 'पैतृक संपत्ति' नहीं, बल्कि उसकी 'व्यक्तिगत संपत्ति' बन जाती है।

उत्तराखंड के हाईकोर्ट ने वर्ष 2016 में एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए स्पष्ट किया था कि जब तक पिता जीवित हैं, तब तक पोता अपने दादा की स्व-अर्जित संपत्ति में हिस्सा नहीं मांग सकता है। यह फैसला इस मौलिक सिद्धांत की पुष्टि करता है कि स्व-अर्जित संपत्ति पर पोते का सीधा अधिकार उनके पिता के माध्यम से ही आता है, और वह तभी प्रभावी होता है जब पिता जीवित न हों या जब संपत्ति पैतृक श्रेणी में हो। सर्वोच्च न्यायालय ने 2014 में सी. शिवकुमार बनाम शिवन्ना मामले में इस सिद्धांत को फिर दोहराया कि स्व-अर्जित संपत्ति के मालिक (इस मामले में दादा) को उस संपत्ति पर पूर्ण व निर्विवाद अधिकार होता है। इस फैसले ने इस बात पर मुहर लगा दी कि मालिक अपनी स्व-अर्जित संपत्ति का उपयोग, उपभोग या हस्तांतरण अपनी इच्छानुसार कर सकता है, और वारिसों का उस पर जन्मसिद्ध अधिकार लागू नहीं होता।उत्तम बनाम सौभाग सिंह (2016) मामले में सुप्रीम कोर्ट ने यह स्पष्ट किया कि हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 के बाद, यदि किसी व्यक्ति (जैसे दादा) को अपने पिता से कोई संपत्ति विरासत में मिलती है, तो वह स्व-अर्जित संपत्ति मानी जाएगी, न कि स्वचालित रूप से पैतृक संपत्ति। इस फैसले ने पुरानी कानूनी धारणाओं को बदलते हुए यह स्थापित किया कि संपत्ति को 'पैतृक' साबित करने के लिए यह दिखाना अनिवार्य है कि वह चार पीढ़ियों से अविभाजित रूप से चली आ रही है।

प्लाटिंग के लिए सरकारी नाला पाटने पर होगी कार्यवाही: एसडीएम

सरकारी नाले पर कब्ज़े की होगी जांच

» एसडीएम बिल्हौर कराएंगे जांच, लेखपाल की भूमिका संदिग्ध; सरकारी जमीन कब्ज़े पर दर्ज हो सकता है मुकदमा

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर। चौबेपुर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम पंचायत राय गोपालपुर में सरकारी नाले पर कब्ज़ा कर प्लॉटिंग करने के मामले ने अब प्रशासनिक विभाग की नींद उड़ा दी है। ग्रामीणों के गंभीर आरोपों के बाद यह मामला और गहरा हो गया है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि क्षेत्र का दबंग पंकज दुबे सरकारी नाले को पाटकर जमीन पर कब्ज़ा कर प्लॉटिंग करा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, उसकी दबंगई और गुंडागर्दी के कारण कोई भी खुलकर विरोध करने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहा।

FOLLOW UP

आरोप यह भी है कि पूरी आपराधिक गतिविधि क्षेत्रीय लेखपाल रवि वर्मा की मौन सहमति के बिना संभव नहीं थी। यही वजह है कि शिकायतों के बावजूद प्रशासनिक स्तर पर अब तक सख्त कदम नहीं उठाए गए। नाले के पाटे जाने से भविष्य में जलनिकासी की बड़ी समस्या खड़ी होने की आशंका जताई जा रही है इस बीच, लगातार बढ़ते विवाद को देखते हुए एसडीएम बिल्हौर ने मामले का संज्ञान लिया है और जांच कराने की बात कही है।

सरकारी नाले पर अवैध कब्ज़े व सरकारी भूमि जोड़कर प्लॉटिंग के आरोपों के आधार पर पंकज दुबे के खिलाफ आपराधिक मुकदमा दर्ज होने की भी संभावनाएं बन रही हैं।

वहीं एडीओ पंचायत ने ग्राम पंचायत सचिव विशाल द्विवेदी को जांच के निर्देश दिए थे, लेकिन ग्राम सचिव ने जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ लिया।

इससे प्रशासनिक भूमिका भी सवालों के घेरे में आ गई है ।ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि नाले को तत्काल अतिक्रमण मुक्त कराया जाए और भूमाफिया सहित उसे संरक्षण देने वाले संबंधित अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाए।

स्वराज इंडिया इस पूरे मामले पर लगातार बेबाक रिपोर्टिंग कर रहा है और कार्रवाई न होने तक सच सामने लाता रहेगा।

दबंगई और गुंडागर्दी के बल पर सरकारी नाले को पाटा, कर दी प्लाटिंग

» राय गोपालपुर में दबंग प्लाटिंगकर्ता का आतंक, विरोध करने से डर रहे ग्रामीण

» लेखपाल रवि वर्मा की भूमिका संदिग्ध, संरक्षण में पाटा गया सरकारी नाला

लेखपाल के संरक्षण में सरकारी नाले पर कब्जा कर बना लिए प्लाट

सराफा कारोबारी ने बच्चों की हत्या कर दी जान

मौके से मिला सुसाइड नोट

» प्रमुख संवाददाता/स्वराज इंडिया

कानपुर ।अरौल के हाशिमपुर क्षेत्र में सराफा कारोबारी अजय कटियार ने बेटे की हत्या कर अपनी जान दे दी। दूसरे बेटे की हालत गंभीर है। मौके से सुसाइड नोट बरामद हुआ है। पुलिस ने परिजनों की मदद से अंदर से बंद दरवाजा खुलवाया।

अरौल पुलिस को सूचना मिली कि ओम ज्वैलर्स के मालिक अजय कटियार (35) दो बच्चे रुद्र (12) और शुभम (7) के साथ कमरे में बंद हैं। कमरा नहीं खुल रहा है। पुलिस ने परिजनों के सहयोग से दरवाजा खुलवाया। अंदर अजय कटियार जमीन पर पड़े हुए थे। उनके गले मे साड़ी का फंदा भी था, लेकिन वह टूटा हुआ मिला।

शुभ और रुद्र भी गंभीर रूप से घायल मिले। पुलिस ने पिता पुत्रों को सीएचसी बिल्हौर भेजा, जहां एक बेटे और पिता को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। डीसीपी पश्चिम दिनेश त्रिपाठी मौके पर पहुंचे और जांच कराई।

पिता को लिखा सुसाइड नोट

सराफा कारोबारी ने पिता के नाम से सुसाइड नोट लिखा है। इसमें लिखा है कि उतने ही बच्चा पैदा करना चाहिए जीतने की परवरिश हो सके मैं अपने बच्चों को किसके सहारे छोड़ कर जाऊं इनको भी ले जा रहा हूं ।

अयोध्या जिला सहकारी बैंक में वाहन तेल घोटाले की आहट!

वाहनों का डीजल डकार गया 'बैंक' का खजाना

» कागजों में फूंक दिया गया एक करोड़ रुपये से ज़्यादा का डीजल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।जिस बैंक पर किसानों, कर्मचारियों और जमाकर्ताओं की गाढ़ी कमाई की हिफ़ाज़त की जिम्मेदारी थी, वहीं बैंक अब खुद सवालों के कठघरे में खड़ा है। अयोध्या जिला सहकारी बैंक में वाहन और डीज़ल के नाम पर हुए कथित महाघोटाले ने सहकारिता तंत्र को हिला कर रख दिया है। सूत्रों का दावा है कि सिर्फ डीज़ल मद में ही एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम निकाल ली गई, वो भी ऐसे वर्षों में जब बैंक की हालत पहले से ही डांवाडोल बताई जा रही थी।

कॉपरेटिव बैंक इम्प्लाइज यूनियन के महामंत्री सुधीर सिंह द्वारा संयुक्त आयुक्त एवं संयुक्त निबंधक सहकारिता, अयोध्या मंडल को भेजे गए पत्र ने बैंक प्रबंधन की नींद उड़ा दी है। पत्र में साफ कहा गया है कि वर्ष 2015–16 से अब तक वाहन, डीज़ल और विविध मदों में अनावश्यक व अत्यधिक खर्च दिखाया गया, जिससे बैंक की वित्तीय स्थिति और लाभप्रदता पर सीधा असर पड़ा। सवाल ये है कि क्या सच में बैंक के वाहन दिन–रात ऐसे दौड़े कि करोड़ों का डीज़ल गटक गए? या फिर डीज़ल की पर्चियों पर कागजी गाडियां दौड़ाई गईं? बैंक कोई निजी जागीर नहीं, बल्कि आम लोगों की पूंजी का संरक्षक होता है। ऐसे में अगर अनावश्यक खर्च हुआ है तो उसका सीधा नुकसान जमाकर्ताओं और सहकारिता व्यवस्था को हुआ है। यूनियन का आरोप है कि यह सब कुछ जानबूझकर किया गया, ताकि बैंक की गाढ़ी कमाई कुछ खास लोगों की जेब में सरकती रहे। यूनियन ने दो टूक चेतावनी दी है यदि दिसंबर 2025 तक जांच पूरी नहीं हुई, और दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं कराई गई, तो जिला सहकारी बैंक के समस्त कर्मचारी संयुक्त आयुक्त कार्यालय पर धरना देंगे। पत्र में यहां तक कहा गया है कि किसी भी विपरीत परिस्थिति की जिम्मेदारी यूनियन की नहीं होगी।

अब निगाहें टिकी हैं सहकारिता विभाग पर क्या जांच सिर्फ फाइलों में सिमट कर रह जाएगी? या फिर सच में 2015 से अब तक के हर डीज़ल बिल, हर वाहन लॉगबुक और हर भुगतान की परत–दर–परत जांच होगी? अगर इस बार भी मामला दबा, तो यह सिर्फ एक घोटाला नहीं, बल्कि सहकारिता व्यवस्था के भरोसे पर डीज़ल डालकर आग लगाने जैसा होगा। अब जनता सवाल पूछती है कि एक करोड़ का डीज़ल पीने वाले वाहन आखिर हैं कहां? और अगर नहीं हैं तो पैसा गया कहां? जांच होगी या फिर ये घोटाला भी बाकी फाइलों की तरह धूल फांकता रह जाएगा?

यूपी पंचायत चुनाव मतदाता सूची पुनरीक्षण के आंकड़े जारी

» इस बार कुल मतदाताओं में 40 लाख से अधिक की हुई बढ़ोतरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में पंचायत चुनाव से पहले कराए गए मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान के आंकड़े जारी कर दिए गए हैं। पुनरीक्षण के दौरान प्रदेशभर में कुल 1 करोड़ 81 लाख 96 हजार 367 नए मतदाता जोड़े गए, जबकि 1 करोड़ 41 लाख 76 हजार 809 मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।

पुनरीक्षित मतदाता सूची के अनुसार, पिछली सूची की तुलना में 40 लाख 19 हजार 558 मतदाताओं की शुद्ध बढ़ोतरी दर्ज की गई है, जो कुल मतदाताओं का 3 दशमलव 26 प्रतिशत है। सूची से हटाए गए नामों में मृत, विस्थापित और डुप्लीकेट मतदाता शामिल हैं।

इनमें सबसे बड़ी संख्या डुप्लीकेट मतदाताओं की रही, जिनकी संख्या 53 लाख 67 हजार 410 बताई गई है।पुनरीक्षण से पहले प्रदेश में कुल 12 करोड़ 29 लाख 50 हजार 52 मतदाता दर्ज थे, जो अब बढ़कर 12 करोड़ 69 लाख 69 हजार 610 हो गए हैं।

जिला स्तर पर बात करें तो वाराणसी में सबसे कम 682 वोट काटे गए। वहीं मैनपुरी और गाजीपुर में 72–72 हजार, महोबा में 20 हजार और कुशीनगर में 14 हजार मतदाताओं के नाम सूची से हटाए गए।

मतदाता बढ़ोतरी के मामले में लखीमपुर जिला सबसे आगे रहा, जहां 1 लाख 80 हजार नए मतदाता जुड़े। इसके बाद गोंडा में 1 लाख 62 हजार, सिद्धार्थनगर में 1 लाख 61 हजार, बहराइच में 1 लाख 29 हजार, बलिया में 1 लाख 9 हजार, शाहजहांपुर में 1 लाख 7 हजार, जौनपुर में 1 लाख 4 हजार और अलीगढ़ में 1 लाख नए मतदाता जोड़े गए।

प्रशासन का कहना है कि मतदाता सूची को शुद्ध और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से यह अभियान चलाया गया, ताकि पंचायत चुनाव निष्पक्ष और त्रुटिरहित तरीके से संपन्न कराए जा सकें।

कानपुर रिंग रोड पर सर्विस रोड की मांग तेज, सांसद ने गडकरी को दिया ज्ञापन

औद्योगिक क्षेत्र व स्थानीय विकास पर पड़ रहा असर, सर्विस रोड निर्माण को बताया जरूरी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। मिश्रिख सांसद अशोक कुमार रावत ने कानपुर रिंग रोड के किनारे सर्विस रोड निर्माण की मांग को लेकर केंद्रीय सडक़ परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की और उन्हें ज्ञापन सौंपा। सांसद ने इस दौरान बिल्हौर विधानसभा क्षेत्र की जनसमस्याओं से भी मंत्री को अवगत कराया।

सांसद रावत ने बताया कि कानपुर रिंग रोड के निर्माण से बिल्हौर क्षेत्र के कई गांवों का आवागमन प्रभावित हो रहा है। विशेष रूप से राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 34 के निकट स्थित ग्राम पंचायत तातियागंज के आसपास क्षेत्र में पहुंचना कठिन होता जा रहा है। यही नहीं, इस इलाके के पास विकसित हो रहे औद्योगिक क्षेत्र पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।ज्ञापन में कहा गया है कि तातियागंज से बिठूर तक जाने के लिए कोई सुगम मार्ग उपलब्ध नहीं है, जिसके कारण स्थानीय निवासियों, व्यापारियों और कामकाजी लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। सांसद ने मांग की कि रिंग रोड के किनारे सर्विस रोड का निर्माण जल्द कराया जाए, जिससे लोगों को राहत मिल सके।उन्होंने कहा कि प्रस्तावित सर्विस रोड बनने से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक, धार्मिक और आर्थिक विकास को भी नई गति मिलेगी।

कानपुर में 26 से 'अपने-अपने राम' का तीन दिवसीय भव्य आयोजन

» सीएसए कृषि विश्वविद्यालय में डॉ. कुमार विश्वास करेंगे प्रस्तुति

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। शहरवासियों के लिए साहित्य और संस्कृति का एक भव्य उत्सव 26 दिसंबर से शुरू होने जा रहा है। विश्वप्रसिद्ध कवि व लेखक डॉ. कुमार विश्वास द्वारा चर्चित काव्य–वक्तव्य अपने–अपने राम की तीन दिवसीय प्रस्तुति 26, 27 और 28 दिसंबर को चंद्र शेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित की जाएगी।यह आयोजन कानपुर शहर में अपने तरह का पहला और अभूतपूर्व कार्यक्रम माना जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर शहर में खासा उत्साह और जिज्ञासा देखी जा रही है। साहित्य प्रेमियों के साथ–साथ युवा और परिवारजन बड़ी संख्या में इस आयोजन में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं।डॉ. कुमार विश्वास अपने चिर–परिचित भावनात्मक और प्रभावशाली अंदाज़ में श्रोताओं को भगवान राम के जीवन, विचार और मूल्यों से जोड़ेंगे। अपने–अपने राम के माध्यम से वे राम को केवल धार्मिक प्रतीक नहीं, बल्कि मानवीय, सामाजिक और दार्शनिक मूल्यों के रूप में प्रस्तुत करते हैं। मर्यादा, करुणा, त्याग, सत्य और कर्तव्य जैसे गुणों को वे समकालीन जीवन से जोड़ते हुए सरल और प्रभावी भाषा में सामने रखते हैं।आयोजकों के अनुसार, डॉ. कुमार विश्वास की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे श्रोताओं की मानसिकता और भावनाओं को गहराई से समझते हैं। उनकी भाषा–शैली में ऐसा आकर्षण होता है कि श्रोता सहज ही उनसे जुड़ जाते हैं और प्रस्तुति के दौरान भावविभोर हो उठते हैं।इस भव्य कार्यक्रम का आयोजन श्री महाराजा अग्रसेन जयंती समिति द्वारा किया जा रहा है। आयोजन को सफल और भव्य बनाने में पान बहार, सोना–चांदी ज्वेलर्स, मयूर, पालोमा, एसएनके, गोल्डी उद्योग समूह, घड़ी डिटर्जेंट, पैशन ग्रुप, रिमझिम इस्पात और बावर्ची जैसी प्रतिष्ठित कंपनियां अपना महत्वपूर्ण सहयोग दे रही हैं।26 से 28 दिसंबर तक चलने वाला यह आयोजन न सिर्फ साहित्यिक दृष्टि से बल्कि सांस्कृतिक रूप से भी कानपुर के लिए एक यादगार अवसर साबित होने की उम्मीद है।

एडीएम अमित कुमार पर आशा बहुओं ने लगाए गंभीर आरोप

कानपुर देहात में आशा बहुओं के उग्र प्रदर्शन में एडीएम प्रशासन पहुंचे थे

» प्रदर्शनकारी महिला कर्मियों के साथ बदसलूकी

» अभद्र भाषा का किया प्रयोग

» एडीएमपर आशा बहुओं का फोन छीनने का आरोप.

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। कलेक्ट्रेट परिसर उस समय रणक्षेत्र में तब्दील हो गया जब आशा बहुओं के प्रदर्शन के दौरान जमकर बवाल हो गया। सैकड़ों की संख्या में आशा बहुएं अपनी मांगों को लेकर धरने पर बैठी थीं। इसी दौरान उनसे बातचीत करने पहुंचे एडीएम प्रशासन अमित कुमार पर आशा बहुओं

ने गंभीर आरोप लगाए हैं।

प्रदर्शन कर रहीं आशा बहुओं का कहना है कि बातचीत के दौरान एडीएम प्रशासन ने उनके साथ अभद्रता की। आशा बहुओं का आरोप है कि एडीएम ने एक महिला का गिरेबान पकड़ लिया और उसका मोबाइल फोन छीन लिया। इस घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और माहौल अचानक तनावपूर्ण हो गया।

स्थिति बिगड़ती देख भारी संख्या में पुलिस बल को कलेक्ट्रेट परिसर में तैनात किया गया। हालात की गंभीरता को देखते हुए फायर ब्रिगेड की गाड़ियों को भी मौके पर बुलाया गया। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया, लेकिन आशा बहुएं धरने पर डटी रहीं और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करती रहीं।

इस पूरे घटनाक्रम का एक वीडियो भी सामने आया है, जिसमें एडीएम और आशा बहुओं के बीच तीखी नोकझोंक देखी जा सकती है। हालांकि प्रशासन की ओर से अब तक इन आरोपों पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।फिलहाल कलेक्ट्रेट परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है और प्रशासन हालात पर नजर बनाए हुए है। आशा बहुएं अपनी मांगों को लेकर अड़ी हुई हैं, वहीं पूरे मामले ने जिले में राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में हलचल मचा दी है। इस मामले में एडीएम अमित कुमार से बात करने का प्रयास किया गया तो उन्होंने मीटिंग में होने का हवाला देकर फोन काट दिया।

ट्रक की टक्कर से मामा-भांजे की मौत ग्रामीणों ने जाम किया मुगल रोड

» मूसानगर के जुनेदापुर मोड़ के पास हुआ हादसा, परिजनों में मचा कोहराम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र में गुरुवार की शाम को तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। वहीं एक शख्स गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को उपचार के लिए अस्पताल भेज। जबकि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

हादसा मूसानगर भोगनीपुर मुगल रोड पर मुर्तजापुर मोड़ के सामने हुआ।जहां एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवारों को रौंद दिया।हादसे में दो युवकों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई तथा तीसरा गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतकों की पहचान मूसानगर थाना क्षेत्र के फतेपुर निवासी शनि 25 वर्ष और घुघुआ रेऊना निवासी राकेश के रूप में हुई है।तथा घायल की पहचान मूसानगर थाना क्षेत्र के फतेपुर निवासी कमल के रूप में हुई है।दोनों युवक मुर्तजापुर गांव से सफाई का कार्य करके अपने घर फतेपुर लौट रहे थे।मुगल रोड मुर्तजापुर मोड़ पहुंचते ही घाटमपुर की ओर से आ रहे एक एक ट्रक ने उनकी बाइक में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी कालीचरन कुशवाहा ने तत्काल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने टक्कर मारने वाले ट्रक को कब्जे में ले लिया है। थाना प्रभारी मूसानगर ने बताया कि मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।तहरीर मिलने पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

महिला ने सगे भाइयों पर लगाया दुष्कर्म और मारपीट का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

» थाना प्रभारी ने कहा कि मामले की जांच कर कार्यवाही की जाएगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली कोतवाली क्षेत्र में एक महिला ने दो सगे भाइयों पर दुष्कर्म और मारपीट का गंभीर आरोप लगाया है।महिला का आरोप है कि वे उसे शादी का झांसा देकर अपने साथ ले गए,जहां उससे नगदी और जेवरात छीन लिए और उसके साथ दुष्कर्म किया। बाद में मारपीट कर उसे घर से निकाल दिया गया।महिला की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।पीड़ित महिला ने पुलिस को बताया कि एक युवक उसे विवाह का आश्वासन देकर अपने साथ ले गया और शीघ्र कोर्ट मैरिज करने का वायदा किया। इस दौरान उसने कई बार महिला का शारीरिक शोषण किया। तय समय बीत जाने के बाद जब महिला ने शादी की बात कही तो आरोपी उसे इधर-उधर घुमाता रहा और उससे जेवरात और नगदी अपने कब्जे में ले ली।

इसके बाद आरोपी ने महिला को अपने भाई के साथ छोड़ दिया। जब महिला दोबारा आरोपी के घर पहुंची तो दोनों भाइयों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की और उसे धमकी दी गई कि यदि वह यहां से नहीं गई तो उसके परिजनों को जान से मार दिया जाएगा। विरोध करने पर उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया गया। थाना प्रभारी प्रवीण कुमार ने बताया कि महिला की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है। मामले की छानबीन की जा रही है। जांचकर उचित कार्यवाही की जाएगी।

मीनापुर में 24 व 25 दिसंबर को दो दिवसीय बॉलीवॉल प्रतियोगिता

» हर साल की भांति इस वर्ष भी होगा कार्यक्रम, हजारों की संख्या में पहुंचेंगे दर्शक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। भोगनीपुर तहसील क्षेत्र के मीनापुर गांव में आगामी 24 व 25 दिसंबर को दो दिवसीय बॉलीवॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता का शुभारंभ विकासखंड मलासा के ब्लॉक प्रमुख स्वतंत्र पासवान करेंगे। प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री राकेश सचान व विशिष्ट अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया जाएगा। वहीं इस अवसर पर बड़ी संख्या में क्षेत्रीय गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।

सुभाष क्लब बॉलीवॉल के आयोजक मंडल ने जानकारी दी कि मीनापुर गांव में 24 व 25 दिसंबर को दो दिवसीय भव्य बॉलीवॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। प्रतियोगिता के पहले दिन 24 दिसंबर को ग्रामीण क्षेत्र की टीमें अपना कौशल दिखाएंगी। प्रतियोगिता के समापन पर कैबिनेट मंत्री राकेश सचान,जिलाध्यक्ष रेणुका सचान मौजूद रहेंगे। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ

समाजसेवी विजय सचान,अनूप सचान,संजय सचान, नीतम सचान,डॉक्टर सोनेलाल सचान,नीरज सचान,जुनैद पहलवान,अरुण यादव,रामफल कटियार,डॉक्टर अमित कटियार,अनिल सचान,भाजपा जिला मंत्री डिम्पल सचान आदि मौजूद रहेंगे। प्रतियोगिता के आयोजन में बॉलीवॉल क्लब के अध्यक्ष शिवकुमार सचान, सुजीत कुमार, डॉक्टर रुद्रप्रकाश आर्य, अरविंद सचान, देवेंद्र सचान, अनिल सचान, दयाशंकर प्रजापति, वेद प्रकाश आर्य, ओम शंकर सचान, धर्मेंद्र सचान, आलोक आर्य, संतोष कुमार सचान, नरेश कुमार सचान, महेश संखवार, चंद्रप्रकाश सचान आदि महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

साहब, हम सर्दी में ठिठूर रहे, रैन बसेरे का ताला खुलवा दीजिए

» सर्द रात में सोया रहा सिस्टम, रात 10 बजे बंद मिला रैन बसेरा

» जिला मुख्यालय के सीएचसी में बने रैन बसेरे का हाल-बेहाल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

कानपुर देहात। योगी सरकार के निर्देशों के बावजूद कानपुर देहात के अकबरपुर स्थित सीएससी परिसर में बना रैन बसेरा सर्द रातों में जरूरतमंदों के लिए राहत बनने के बजाय खुद सवालों के घेरे में खड़ा नजर आया। गुरुवार रात करीब 10 बजे जब ठंड अपने चरम पर थी, तब यह रैन बसेरा बंद और वीरान मिला। गेट पर ताला लटका था और कोई भी जिम्मेदार कर्मचारी मौके पर मौजूद नहीं था।

स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत संचालित रैन बसेरों का उद्देश्य सर्दी, गर्मी या आपदा की स्थिति में बेघर, मजदूर, राहगीर और कमजोर वर्ग के लोगों को सुरक्षित आश्रय देना होता है। रैन बसेरा के अंतर्गत ठहरने की व्यवस्था, साफ-सुथरी जगह, बिजली, रोशनी, पीने का पानी, शौचालय, प्राथमिक चिकित्सा, कंबल व ठंड से बचाव की सुविधाएं उपलब्ध कराए जाने का प्रावधान है। सर्दियों के मौसम में इन रैन बसेरों को रात्रिकालीन रूप से खुले रखने के स्पष्ट निर्देश शासन स्तर से दिए जाते हैं।

रात्रि 10 बजे बंद रैन बसेरे की फोटो

प्रदेश सरकार की ओर से सर्दी के मौसम में अलाव जलाने, कंबल वितरण, रैन बसेरों के संचालन, बेसहारा और गरीब लोगों को ठंड से बचाने के लिए विशेष अभियान चलाए जाते हैं।

शासन का उद्देश्य है कि कोई भी व्यक्ति खुले आसमान के नीचे ठंड में रात बिताने को मजबूर न हो और स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से बचा रहे, लेकिन जमीनी हकीकत इन योजनाओं के उलट दिखाई दी।

जिस समय रैन बसेरे की सबसे ज्यादा जरूरत थी, उसी समय वह बंद मिला। आसपास के इलाकों में जरूरतमंद लोग खुले में ठंड से जूझते नजर आए, जबकि उनके लिए बना आश्रय ताले में कैद रहा। अब सवाल यह उठता है कि रैन बसेरे के संचालन और निगरानी की जिम्मेदारी किसकी है और सर्दियों में सरकार की योजनाएं कागजों तक सीमित क्यों नजर आ रही हैं।

इस संबंध में जिम्मेदार अधिकारियों से संपर्क का प्रयास किया गया, लेकिन कोई स्पष्ट जवाब नहीं मिल सका।

ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में 110 छात्र- छात्राओं ने हिस्सा लिया

विज्ञान से जुड़ी विभिन्न जानकारियां को किया गया साझा, 10 बच्चों को मिला इनाम

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। विभिन्न परिषदीय विद्यालयों के बच्चों ने ब्लॉक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। 10 विजेता बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया गया। राष्ट्रीय आविष्कार अभियान 2025 के तहत ब्लाक स्तरीय क्विज प्रतियोगिता का आयोजन बीआरसी रसूलाबाद में किया गया। जिसमें अध्यक्षता कर रहे खंड शिक्षा अधिकारी अजब सिंह ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन करने से बच्चों की बुद्धि का विकास होता है और वह हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभाओं का प्रदर्शन करते हैं। इस दौरान 110 छात्र- छात्राओं ने क्विज प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। सभी बच्चे उच्च प्राथमिक विद्यालय के अध्यनरत थे। जिसमें सबसे अधिक अंक पाकर टॉप 10 बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें क्रमशः मयंक, अनुष्का, शिवाकांत, रिशु सिंह, लक्ष्मी शुक्ला,प्रगति, विद्या, हर्षित,शिवांश बाबू, श्रेया,रजोल ने वरीयता पाई। इस मौके पर नायब तहसीलदार शिवदर्शन ने बच्चों की प्रशंसा करते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की।ए आर पी पारुल निरंजन, ए आर पी सोनू सिंह के सहयोग से आयोजित परीक्षा में कक्ष निरीक्षक हेतु नागेंद्र कुमार,रामचंद्र, पूनम चंदेल, देवेंद्र भारती , शैलेश पाल आदि ने अपने कार्यों का निर्वहन किया। उपस्थित शिक्षकों में विनोद राजपूत,नीलम चंदेल, अखंड, विपिन, त्रिलोक,शब्बीर,दिव्या सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

अवैध खनन कराने के मामले में सभासद पर केस

मूसानगर थाने में दर्ज हुआ मुकदमा, पुलिस कर रही जांच

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मूसानगर थाना क्षेत्र के बीबियापुर मोड़ के पास राजस्व अभिलेखों में दर्ज चक मार्ग की मिट्टी को ही अवैध खनन माफिया खनन कर ले गए। वहीं इसको लेकर मामले की जानकारी मिलने पर लेखपाल मौके पर पहुंचे, जहां पर जेसीबी द्वारा सरकारी रास्ते पर अवैध खनन किया गया था। लेखपाल की शिकायत पर पुलिस ने एक सभासद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की।मूसानगर थाना प्रभारी काली चरण कुशवाहा ने बताया कि बीबियापुर मोड़ के पास से गांव के लेखपाल राघवेंद्र यादव ने बताया कि बीबियापुर मोड़ के पास गाटा संख्या-1081 राजस्व अभिलेखों में रास्ते के रुप में अंकित है। चकमार्ग नगर पंचायत वार्ड 6 की भूमि से जेसीबी की मदद से अवैध खनन किया गया है। खनन की जानकारी लेखपाल द्वारा एसडीएम भोगनीपुर को देने के साथ लेखपाल की तहरीर के आधार पर खनन करने वाले वार्ड 6 के सभासद दिलशाद के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

संदिग्ध हालात में फांसी लगा युवक ने की आत्महत्या

कानपुर देहात। थाना क्षेत्र के मुलही गांव के निवासी ललन मिश्रा का 30 वर्षीय पुत्र लकी मिश्रा ने घर के कमरे में कपड़े के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना उस वक्त हुई जब घर के सभी लोग घर के बाहर बैठे हुए थे रात्रि को ही युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। युवक नशे का आदी था। जिसको लेकर अक्सर घर में विवाद होता रहता था। घटना से पारिवारिक जनों का रो रोकर बुरा हाल था। वहीं परिवारी जनों ने मामले में शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार किया। वहीं शव का पंचनामा भरने के बाद पुलिस ने शव को परिजनों को सौंप दिया।

(झांसी पुलिस की बड़ी कार्रवाई)

गरौठा से सपा के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव हिस्ट्रीशीटर घोषित

» पुलिस विभाग ने आपराधिक इतिहास सार्वजनिक, दर्ज मुकदमों का संपूर्ण ब्यौरा जारी किया

दीप नारायण सिंह यादव

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

झांसी। उत्तर प्रदेश में अपराध और अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत झांसी पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए गरौठा विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक दीपनारायण सिंह यादव को हिस्ट्रीशीटर घोषित कर दिया है। पुलिस ने उनके आपराधिक इतिहास का विस्तृत विवरण सार्वजनिक करते हुए दर्ज मुकदमों का संपूर्ण ब्यौरा भी जारी किया है। इस कार्रवाई को जनपद में कानून व्यवस्था के लिहाज से अहम कदम माना जा रहा है।पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार दीपनारायण सिंह यादव पर लंबे समय से संगठित अपराध, रंगदारी, जमीन कब्जा, मारपीट, धमकी, अवैध वसूली सहित गंभीर प्रकृति के अनेक मुकदमे दर्ज हैं। इन मामलों में विभिन्न थानों में दर्ज मुकदमों की संख्या दर्जनों में बताई जा रही है। पुलिस का कहना है कि पूर्व विधायक के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं और उनके आपराधिक नेटवर्क की पुष्टि होने के बाद हिस्ट्रीशीटर की कार्रवाई की गई।

झांसी पुलिस अधिकारियों के मुताबिक किसी भी व्यक्ति को हिस्ट्रीशीटर घोषित करने से पहले उसके आपराधिक आचरण, बार-बार अपराध में संलिप्तता और समाज में भय का वातावरण बनाने की भूमिका का आकलन किया जाता है।

जांच में यह सामने आया कि दीपनारायण सिंह यादव पर दर्ज मामलों का सिलसिला वर्षों पुराना है और कई मामलों में संगठित गिरोह के रूप में काम करने के आरोप हैं।

इसी आधार पर उनके खिलाफ यह कठोर कार्रवाई की गई।

जारी हुआ आपराधिक इतिहास

पुलिस द्वारा जारी विवरण के अनुसार पूर्व विधायक के खिलाफ जनपद झांसी समेत आसपास के क्षेत्रों में गंभीर धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। इनमें जबरन वसूली, जमीन से जुड़े विवादों में दबंगई, मारपीट, जान से मारने की धमकी और आपराधिक षड्यंत्र जैसे मामले शामिल बताए गए हैं। पुलिस का कहना है कि इन मुकदमों की नियमित निगरानी की जाएगी और आगे किसी भी आपराधिक गतिविधि में संलिप्तता मिलने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

संपत्ति और नेटवर्क पर भी एजेंसियों की कड़ी नजर

पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम पूर्व विधायक से जुड़ी संपत्तियों और उनके कथित सहयोगियों पर भी नजर बनाए हुए है। सूत्रों के अनुसार अपराध से अर्जित संपत्ति और बेनामी निवेश की भी जांच की जा रही है। आवश्यकता पड़ने पर कुर्की और जब्ती जैसी कार्रवाई को और आगे बढ़ाया जा सकता है।

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि चाहे कोई भी व्यक्ति कितना ही प्रभावशाली क्यों न हो, यदि वह कानून तोड़ेगा तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। हिस्ट्रीशीटर घोषित किए जाने के बाद पूर्व विधायक की गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जाएगी और थाना स्तर पर उनका पूरा रिकॉर्ड संधारित किया जाएगा।

जनता में चर्चा, राजनीतिक हलचल तेज

पूर्व विधायक को हिस्ट्रीशीटर घोषित किए जाने की खबर के बाद जनपद में चर्चा का माहौल है। वहीं राजनीतिक गलियारों में भी इस कार्रवाई को लेकर हलचल तेज हो गई है। आम लोगों का कहना है कि यदि यह कदम अपराध पर अंकुश लगाने में सहायक साबित होता है तो कानून व्यवस्था मजबूत होगी।

झांसी पुलिस की इस कार्रवाई को अपराध के खिलाफ सख्त रुख के तौर पर देखा जा रहा है। आने वाले दिनों में जांच और कार्रवाई के दायरे के और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है।

विधायक खेल प्रतियोगिता की तैयारियों का वेद प्रकाश गुप्ता ने किया निरीक्षण

खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का सशक्त माध्यम है विधायक खेल प्रतियोगिता : वेद प्रकाश गुप्ता

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। 20 दिसम्बर से प्रारम्भ होने वाली विधायक खेल प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने डाभासेमर स्टेडियम का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने खेल मैदान, ट्रैक, दर्शकों के बैठने की व्यवस्था, खिलाड़ियों के अभ्यास स्थल, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों, टीम मैनेजर व कोच से विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने निर्देश दिए कि प्रतियोगिता से पूर्व सभी तैयारियां समयबद्ध एवं गुणवत्ता के साथ पूर्ण की जाएं, ताकि खिलाड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने कहा कि विधायक खेल प्रतियोगिता का उद्देश्य ग्रामीण व शहरी क्षेत्र की खेल प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना है, जिससे युवा खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिल सके।

विधायक ने कहा कि सरकार खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और ऐसी प्रतियोगिताएं युवाओं को नशा, अपराध व नकारात्मक प्रवृत्तियों से दूर रखने में सहायक होती हैं। उन्होंने आयोजकों को सुरक्षा, प्राथमिक उपचार, चिकित्सकीय सुविधा तथा स्वच्छता की पुख्ता व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।प्रतियोगिता के लिए ऑनलाइन माध्यम से अब तक लगभग 1500 खिलाड़ियों ने नामांकन करा लिया है। आयोजन स्थल पर भी ऑफ लाइन नामांकन प्रतियोगिता के दिन किया जाएगा। प्रतियोगिता में जूनियर, सब-जूनियर और सीनियर वर्ग के अंतर्गत महिला एवं पुरुष खिलाड़ियों के बीच विभिन्न खेल मुकाबले आयोजित होंगे। इनमें वॉलीबॉल, बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी तथा एथलेटिक्स की ट्रैक व फील्ड स्पर्धाएं शामिल रहेंगी। निरीक्षण के दौरान क्षेत्रीय क्रीडा अधिकारी अनिमेष सक्सेना, लाल शुक्ला, उमाशंकर सिंह, रोशनी श्रीवास्तव, मुकेश सिंह, शकील अंसारी, विवेक कुमार सहित अन्य आयोजन से जुडे लोगों की मौजूदगी रही।

शीतलहर में रामलला-रामराजा की सुकुमार सेवा, श्रीराम मंदिर में आयल हीटर स्थापित

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या।मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में शीत ऋतु ने इस वर्ष अपने तीव्र स्वरूप का परिचय दिया है। गुरुवार प्रातः न्यूनतम तापमान चार डिग्री सेल्सियस तक गिर जाने से नगर एवं आसपास के अंचलों में घना कुहासा छाया रहा। शीतलहर के इस प्रकोप के बीच श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान बालस्वरूप रामलला तथा प्रथम तल पर स्थित राम दरबार में रामराजा की सेवा-संरक्षा के लिए विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं।भगवान को शीत से सुरक्षित रखने हेतु मंदिर परिसर में दो नवीन आयल हीटर स्थापित किए गए हैं। इनमें से एक हीटर भूमितल स्थित गर्भगृह में रामलला की सुकुमार सेवा के लिए लगाया गया है, जबकि दूसरा हीटर प्रथम तल पर स्थापित श्रीराम दरबार में रामराजा की आराधना हेतु प्रवर्तित किया गया है। यह व्यवस्था मंदिर की मर्यादाओं और परंपराओं के अनुरूप की गई है।कड़ाके की ठंड को दृष्टिगत रखते हुए बालक रूप में विराजमान रामलला की नित्य सेवा में विशेष शीतकालीन विधान अपनाए जा रहे हैं। प्रभु को गुनगुने जल से स्नान कराया जा रहा है, रात्रि में रजाई ओढ़ाई जा रही है तथा दिन में भी उनके चरण कम्बल से आवृत रखे जा रहे हैं। भोग में पूड़ी, सब्जी के साथ केसरयुक्त दुग्ध, देशी घृत का हलवा, रबड़ी एवं खुरचन के पेड़े अर्पित किए जा रहे हैं। दिनकाल में अंगीठी प्रज्वलित कर प्रभु के समक्ष रखी जा रही है तथा श्रीरामवल्लभाकुंज में अंगीठी के साथ ब्लोअर की सेवा भी दी जा रही है।हनुमानगढ़ी के वरिष्ठ पुजारी रमेश दास ने बताया कि वहां भी संकटमोचक श्रीहनुमान जी को रजाई ओढ़ाई जा रही है। उन्हें रबड़ी, पूड़ी, देशी घी का हलवा एवं खीर का भोग अर्पित किया जा रहा है तथा दिव्य रसायनों सहित गुनगुने जल से स्नान कराया जा रहा है।जानकी महल के ट्रस्टी आदित्य सुल्तानियां ने बताया कि भगवान को शीत का स्पर्श न हो, इसके लिए प्रत्येक आवश्यक व्यवस्था तत्परता से की जा रही है। पुजारियों के निर्देशानुसार सभी आवश्यक साधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं, साथ ही मंदिर की प्राचीन परंपराओं का पूर्ण ध्यान रखा जा रहा है।

जमथरा-अयोध्या में अवैध खनन का काला सच

बंद हो अयोध्या की गरिमा से खिलवाड़,सत्ता बदली, चेहरे बदले—खनन का खेल वही

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो

अयोध्या। जहाँ मर्यादा पुरुषोत्तम की परंपरा सांस लेती है आज उसी धरती पर मर्यादा को रौंदने का दुस्साहस खुलेआम हो रहा है। सरयू की धारा से लेकर जमथरा की मिट्टी तक, अवैध खनन का ऐसा बेलगाम खेल चल पड़ा है कि कानून, प्रशासन और नैतिकता तीनों हांफते नज़र आते हैं।

राम मंदिर के पक्ष में ऐतिहासिक फैसले के बाद अयोध्या में विकास की बयार चली, मगर उसी हवा में ज़मीनों की लूट, सरयू में अवैध खनन और अरबों की योजनाओं में भ्रष्टाचार भी बह निकला। सवाल सीधा है कि क्या यह अयोध्या है?सपा सरकार में खनन को लेकर एक नाम बदनामी की मिसाल बना—गायत्री प्रजापति। सत्ता बदली, नारे बदले, पर खेल और खिलाड़ी बढ़ते चले गए। आज आरोप है कि भाजपा राज में तो सैकड़ों प्रजापति खनन के किले संभाले बैठे हैं। हौसले इतने बुलंद कि खनन अधिकारी को थाने में बेइज्जत कर दिया जाता है—और व्यवस्था तमाशबीन बनी रहती है।

आवाज़ें जो डरती नहीं

इसी अंधेरे में कुछ नाम मशाल बनकर खड़े हैं। पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडेय जो लगातार अवैध खनन, जमीन घोटालों और प्रशासनिक चुप्पी पर सवाल उठाते रहे हैं। अधिवक्ता प्रवीण दुबे—कानून की धार से खनन माफिया को ललकारते हुए, अदालत से सड़क तक संघर्ष की मिसाल।

महंत संत दास उर्फ राजेश सिंह मानव—जिनकी आवाज़ ने धर्म और समाज दोनों की चेतना को झकझोरा है कि सरयू और अयोध्या किसी माफिया की बपौती नहीं।

खनन विभाग के अधिकारियों के साथ अयोध्या पुलिस की कार्रवाई की खबरें आती हैं, पर ज़मीनी हकीकत यह कि माफिया की रीढ़ नहीं टूटती। ट्रैक्टर-ट्रॉली पकड़ी जाती हैं, मगर सरगना सुरक्षित रहते हैं। ऊपर से नीचे तक साठगांठ की फुसफुसाहट हर गली में सुनाई देती है। दर्दनाक सच यह भी कि जिले का नाम अब कोडीन सिरप जैसे अपराधों से भी जुड़ने लगा है। खनन, जमीन, नशा—क्या रामनगरी को अपराध की त्रिवेणी में डुबो दिया गया है? जब सत्ता पक्ष ऐसे मसलों पर खामोश दिखता है, तब विपक्ष से जन-आवाज़ बनकर पूर्व विधायक पवन पांडेय और तेज नारायण पांडेय जैसे नेता मुखर होते हैं। सवाल उठते हैं, मगर जवाब नहीं मिलते। अयोध्या की जनता पूछती है। सरयू की रेत किसके इशारे पर लूटी जा रही है? थाने में अधिकारी की बेइज्जती के पीछे किसका संरक्षण है? क्या कार्रवाई सिर्फ कैमरों के लिए है? अयोध्या की गरिमा की रक्षा कब होगी?

अब भी वक्त है। अगर अवैध खनन पर कठोर, निष्पक्ष और सतत कार्रवाई नहीं हुई, तो इतिहास माफ नहीं करेगा। अयोध्या सिर्फ एक शहर नहीं—आस्था है। आस्था पर अपराध का पहरा हटाना होगा—वरना जनता सवाल पूछती रहेगी।

रामनगरी में बनेगा पर्यटन थाना

नए साल से श्रद्धालुओं की सुरक्षा व मार्गदर्शन के लिए होगी सुगमता

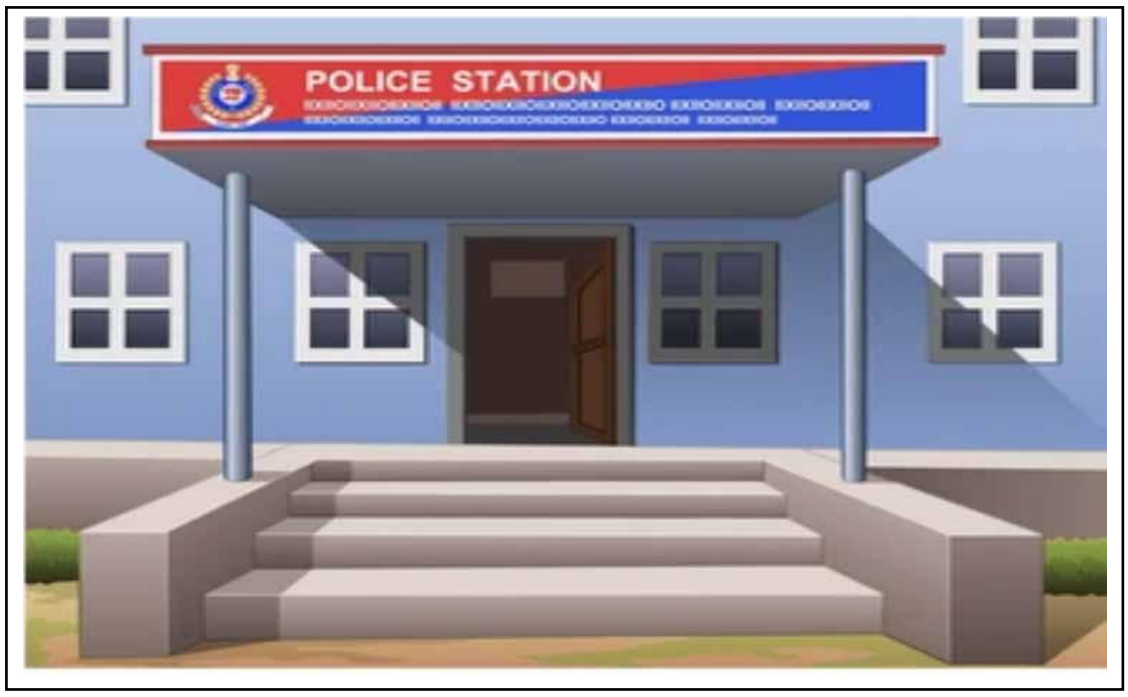

» स्वराज इंडिया न्यूज़ ब्यूरो।

अयोध्या ।रामनगरी अयोध्या को नववर्ष में पर्यटन व्यवस्था को सुदृढ़ करने की एक नई सौगात मिलने जा रही है। श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा एवं मार्गदर्शन के उद्देश्य से अयोध्या में पर्यटन थाना स्थापित किया जाएगा। इस थाना की स्थापना की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है तथा बीते माह ही शासन स्तर पर इस महत्वपूर्ण योजना को स्वीकृति मिल चुकी है।

पर्यटन थाना स्थापित करने के लिए अब आवश्यक मानव संसाधन की तैनाती हेतु शासन को पत्र प्रेषित किया गया है। प्रस्ताव के अनुसार नया घाट क्षेत्र में पर्यटन थाना स्थापित किए जाने की योजना है, जिससे सरयू तट, राम जन्मभूमि सहित प्रमुख धार्मिक स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं को सीधा लाभ मिल सके।

पर्यटन थाना में कुल नौ पुलिसकर्मियों की तैनाती की जाएगी। इनमें एक निरीक्षक,

दो उपनिरीक्षक तथा छह आरक्षी शामिल होंगे। यह पुलिसकर्मी न केवल श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, बल्कि उन्हें मार्गदर्शन प्रदान कर गाइड की भूमिका भी निभाएंगे। विशेष बात यह है कि यहां ऐसे पुलिसकर्मियों की तैनाती प्रस्तावित है, जो विभिन्न भाषाओं का ज्ञान रखते हों, जिससे देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों को सहज सहायता मिल सके।

पर्यटन थाना में श्रद्धालु एवं पर्यटक अपनी समस्याओं एवं शिकायतों का पंजीकरण भी करा सकेंगे, जिससे त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा सकेगा।

क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी बृजपाल सिंह ने बताया कि नववर्ष में अयोध्या में पर्यटन थाना कार्यशील हो जाएगा। यह पहल रामनगरी में बढ़ते श्रद्धालु आगमन के दृष्टिगत एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है, जिससे अयोध्या की छवि एक सुरक्षित, सुव्यवस्थित और पर्यटक-मैत्री धार्मिक नगरी के रूप में और अधिक सुदृढ़ होगी।

यूपी विधानमंडल सत्र के पहले दिन मुख्यमंत्री का बड़ा बयान

कफ सीरप कांड अभियुक्तों के संबंध सपा के माफियाओं से: सीएम योगी

» उत्तर प्रदेश विधान सभा के शीतकालीन सत्र-2025 से पूर्व पत्रकार बंधुओं से वार्ता।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। यूपी विधानमंडल सत्र के पहले दिन सदन की कार्यवाही से पहले मीडिया को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जहरीले कफ सिरप कांड को लेकर बयान दिया है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। यूपी एसटीएफ और यूपी पुलिस ने मामले में व्यापक गिरफ्तारियां की हैं। उन्होंने कहा कि जो भी अभियुक्त गिरफ्तार किए गए हैं। उनके संबंध सपा नेताओं से सामने आए हैं। अभी जांच जारी है। जांच रिपोर्ट आने पर दूध का दूध पानी का पानी हो जाएगा।

उन्होंने कहा कि सपा के लोग ये मुद्दा सदन की कार्यवाही के दौरान उठाएंगे तो उन्हें वहां पर जवाब दिया जाएगा और अगर बाहर इस पर सवाल करेंगे तो उसका भी जवाब दिया जाएगा। सपा का माफियाओं से संबंध तो जगजाहिर हैं। इस पूरे मामले की जांच राज्यस्तरीय एसआईटी कार्य कर रही है। इसमें यूपी पुलिस, एफएसडीए से जुड़े अधिकारी मौजूद हैं। किन-किन लोगों को इसमें धन गया है ये सारी बातें जांच में सामने आ जाएंगी।

उन्होंने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उनके बारे में यही कहूंगा कि- यही कसूर मैं बार बार करता रहा, धूल चेहरे पर थी और आईना साफ करता रहा। उन्होंने कहा कि इन माफियाओं के साथ उनकी भी फोटो है। जांच में सब सामने आ जाएगा।

24 जनवरी को वंदे चर्चा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज से सदन की कार्यवाही शुरू हो रही है। 24 जनवरी को हमारे राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम पर चर्चा का आयोजन किया जाएगा। 24 जनवरी को यूपी का स्थापना दिवस भी है। हमने सर्वदलीय बैठक में विपक्षी दलों से चर्चा के लिए अनुरोध किया है।

उन्होंने कहा कि सरकार हर विषय पर चर्चा के लिए और हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार है। सदन की कार्यवाही के पहले दिन नेता सदन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय सहित सभी दलों के नेताओं ने स्वर्गीय सपा विधायक सुधाकर सिंह के निधन पर समाज में दिये गए उनके योगदान को याद किया और उन्हें श्रद्धांजलि दी।

ये खेल हुआ पुराना, हुक्मरान कोई नई बात बताओ: अखिलेश

अखिलेश यादव ने एक्स पर पलटवार किया है। उन्होंने एक्स पर कहा, जब 'खुद' फँस जाओ, तो दूसरे पर इल्ज़ाम लगाओ। ये खेल हुआ पुराना, हुक्मरान कोई नई बात बताओ।

मथुरा की फैक्ट्री में लगी भयानक आग

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

मथुरा। मथुरा जनपद में एक बड़ी औद्योगिक दुर्घटना की खबर सामने आई है। नेशनल हाईवे स्थित गोकुल रेस्टोरेंट क्रॉसिंग के पास गौर केंद्र इंडस्ट्रियल एरिया में एक मेटल फैक्ट्री में भीषण आग लग गई। इस घटना के बाद पूरे इलाके में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया और आसमान में कई फीट ऊपर तक काला धुआं छा गया।

मिली जानकारी के अनुसार, यह आग शिवांगी मेटल्स नाम की फैक्ट्री में लगी, जहां मुख्य रूप से स्क्रैप मेटल (कबाड़ धातु) का कारोबार होता है। शुक्रवार सुबह हमेशा की तरह फैक्ट्री में काम शुरू हुआ था और बड़ी संख्या में कर्मचारी अपनी ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान अचानक फैक्ट्री के एक हिस्से से आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया।

आग लगते ही फैक्ट्री में कार्यरत कर्मचारियों को आनन-फानन में सुरक्षित बाहर निकाला गया। गनीमत रही कि समय रहते सभी लोग बाहर आ गए, जिससे बड़ी जनहानि टल गई। पुलिस और दमकल विभाग को सूचित करने के साथ ही स्थानीय लोगों ने अद्भुत साहस का परिचय दिया। फायर ब्रिगेड के पहुंचने से पहले ही लोगों ने सुरक्षा के मद्देनजर फैक्ट्री की ओर जाने वाले दोनों तरफ के रास्तों को ब्लॉक कर दिया।

दिल्ली व पंजाब समेत कई राज्यों में ईडी की छापेमारी

» करोड़ों रुपये और 300 किलो चांदी जब्त।

» दिल्ली के ट्रैवल एजेंट से करोड़ों रुपये हुए बरामद।

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। डंकी रूट के जरिए भारत से युवाओं को अमेरिका भेजने के मामले में ईडी ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई की। ईडी ने दिल्ली-पंजाब समेत कई राज्यों में दर्जन भर से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी में ईडी ने चार करोड़ रुपये से ज्यादा नकद और 300 किलो से ज्यादा चांदी और छह किलो सोने के बिस्किट जब्त किए। ये छापे गुरुवार को दिल्ली, पंजाब (जालंधर) और हरियाणा (पानीपत) में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर मारे गए।

अधिकारियों ने दावा किया कि दिल्ली के एक ट्रैवल एजेंट के ठिकाने से 4.62 करोड़ रुपये कैश, 313 किलो चांदी और 6 किलो सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। जांचकर्ताओं ने छापों के दौरान मिले फोन और इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस से कुछ आपत्तिजनक चैट भी बरामद की हैं। अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा में एक मुख्य आरोपी के ठिकाने से डंकी बिजनेस से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेज मिले हैं। आरोप है कि एजेंट अवैध रूप से अमेरिका जाने वाले लोगों के प्रॉपर्टी के दस्तावेज अपने कमीशन की रकम की गारंटी के तौर पर रखते थे। डंकी शब्द का मतलब उस लंबी और मुश्किल यात्रा से है जो अप्रवासी अवैध रूप से देशों में घुसने के लिए करते हैं।

अमेरिका से भारतीयों को वापस भेजने के बाद हुई शुरू

केंद्रीय जांच एजेंसी ने जुलाई में डंकी मामले में पहली बार छापेमारी की थी। हाल ही में कुछ ट्रैवल एजेंटों की 5 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की थी, जिन्होंने इस अवैध रैकेट के पीछे कुछ कथित आरोपियों की पहचान की गई। श्रेष्ठ की जांच पंजाब और हरियाणा पुलिस द्वारा फरवरी 2025 में अमेरिकी सरकार द्वारा सैन्य कार्गो विमानों में 330 भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेजने के संबंध में दर्ज की गई। इन मामलों में कई एफआईआर हुईं। ईडी का कहना है कि आरोपियों ने उन्होंने भोले-भाले लोगों को कानूनी रूप से अमेरिका भेजने का लालच देकर धोखा दिया और इसके लिए भारी रकम वसूली।

बुलंदशहर में दिनदहाड़े सीबीआई अफसर बनकर घर में घुसे बदमाश

लूट की वारदात को अंजाम देकर हो गए फरार, जांच में जुटी पुलिस

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बुलंदशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में सीबीआई अधिकारी बनकर घर में घुसकर लाखों के सोने-चांदी के आभूषण लूटने का मामला सामने आया है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है। यह घटना अनूपशहर थाना क्षेत्र के नगर इलाके की है। पीड़ित शंकर भगवान अपने घर पर थे, तभी तीन से चार लोग उनके घर में घुस आए। उन्होंने खुद को सीबीआई टीम का सदस्य बताया और घर में पूछताछ शुरू कर दी।

बुलंदशहर के अनूपशहर से सीबीआई अफसर बनकर घर से लूटपाट का मामला सामने आया है। अनूपशहर नगर इलाके में शंकर भगवान के घर में घुसे बदमाशों ने परिवार के सदस्यों को एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद वे घर में रखे करीब 5 लाख रुपये के सोने-चांदी के आभूषण लेकर मौके से फरार हो गए। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे। पीड़ित शंकर भगवान से इस पूरे मामले की जानकारी दी। क्षेत्राधिकारी, अनूपशहर विकास प्रताप चौहान भी घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे ।पीड़ित परिवार से घटना के संबंध में पूछताछ की।

बेटे का नाम लेकर डकैती

बदमाशों के जाने के बाद शंकर भगवान ने अपने बेटे अभिषेक अग्रवाल को फोन किया। अभिषेक ने बताया कि वह अपनी दुकान पर ही मौजूद था। बदमाशों की ओर से पीड़ित के बेटे का नाम लेकर डकैती डालना कई सवाल खड़े कर रहा है, जिसकी पुलिस गहनता से जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि तमाम बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच की जा रही है। जल्द घटना का खुलासा किया जाएगा।

थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार शर्मा ने बताया कि पुलिस को घर में तीन से चार लोगों के घुसने, सामान लूटने और परिवार को कमरे में बंद करने की सूचना मिली थी। मामले की जांच के लिए कई टीमें गठित की गई हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा किया जाएगा।